रांची, गुरुवार, 22 जनवरी 2026
संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 4 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 131, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ऋतुराज बसंत : प्रकृति के नवश्रृंगार से संस्कृति और साघना तक

ओ रोमियो का फास्ट लूक आया सामने खूंखार अंदाज में दिखे शाहिद कपूर 6

सारंडा में सुरक्षाबलों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़,10 नक्सली ढेर

⏭ मुठभेड़ व सर्च अभियान जारी ⏭ मुठभेड़ में मारा गया एक करोड़ का इनामी नक्सली

संवाददाता

,1,लीड

पश्चिमी सिंहभूमः जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के मारे जाने की सूचना मिल रही है। डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि यह घटना छोटानागरा थाना क्षेत्र में हुई है।

पुलिस की ओर से मिल जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के सीनियर अफसरों को सारंडा के जंगली इलाकों में नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। इसी इनपुट के आधार पर कोबरा झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की ज्वाइंट टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुरक्षाबल जैसे ही उनके करीब पहुंचे, तो खुद को घिरा देख नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला। बताया जा रहा है कि यह मुठभेड़ काफी देर तक चली। सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख कुछ नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। सुरक्षाबलों की ओर से इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में कई बड़े नक्सली हैं सक्रियः सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में कई बड़े नक्सली सक्रिय हैं। इसमें माओवादी संगठन के टॉप लीडर मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु और अनल शामिल हैं। इसके अलावा असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत और रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ इस इलाके में भ्रमणशील हैं। इसको लेकर सुरक्षाबल और पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

एक नक्सली पर एक करोड़ का इनामः किरीबुरू थाना क्षेत्र के कुमड़ी के सारंडा जंगल में कोबरा के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया गया है, जिसमें से एक करोड़ का इनामी नक्सली भी शामिल है। दो दिन पहले सीआरपीएफ के डीजी जिला पुलिस मुख्यालय में बैठक हुई थी। करीब घंटेभर चली इस बैठक में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन तेज करने का निर्देश भी दिया गया था। मौजूदा समय में सारंडा में 32 लाख से लेकर 1 करोड़ 20 लाख तक के इनामी कई नक्सलियों के होने की बात कही जा रही है। फिलहाल नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है।

जसीडीह में टला बड़ा रेल हादसा,नावाडीह फाटक पर ट्रक से टकराई ट्रेन

- बिना सिग्नल फाटक पर आयी ट्रेन
- डाउन और अप रेल लाइनों पर कुछ देर के लिए ट्रेनों की आवाजाही हुई बाधित

जसीडीहः जसीडीह-मधुपुर के बीच रोहिणी-नावाडीह रेलवे फाटक पर गुरुवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हुआ। डाउन लाइन पर गोंडा से चल कर आसनसोल जा रही ट्रेन नंबर 13510 गोंडा आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन और चावल से भरे ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। ट्रक का नंबर जेएच 15 एक्स 8874 है। इस हादसे से कुछ देर के लिए डाउन लाइन और अप रेल लाइनों पर ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो गई। यह घटना सुबह करीब 9:38 बजे की बताई जा रही है। हालांकि, सुबह करीब 10:55 में अप लाइन को चालू कर दिया गया। आसनसोल झाझा पैसेंजर ट्रेन को पास किया गया है।

बिना सिग्नल फाटक पर आ गई ट्रेनः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फाटक पर सुबह के समय भारी ट्रैफिक था। इसी दौरान चावल से भरा ट्रक रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। गेटमैन पंकज कुमार का कहना है कि ट्रैफिक अधिक होने के कारण ट्रेन को सिग्नल नहीं दिया गया था। इसके बावजूद इसके डाउन लाइन पर गोंडा-आसनसोल एक्सप्रेस आ गई और फाटक पर ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास अफरा-तफरी मच गई।

ट्रक की चपेट में आई मोटरसाइकिल :ट्रेन और ट्रक की टक्कर के दौरान ट्रक की चपेट में दो मोटरसाइकिलें भी आ गईं। राहत की बात यह रही कि मोटरसाइकिल सवार मौके से किसी तरह भाग गए। इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ट्रेन की रफ्तार कुछ और अधिक होती, तो जानमाल का बड़ा नुकसान हो सकता था।

मौके पर पहुंचे रेलवे के अधिकारीः घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के सीनियर अफसर और जसीडीह आरपीएफ घटना स्थल पर पहुंच कर मामले जांच कर रही है। आरपीएफ और जसीडीह थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच भीड़ को नियंत्रित किया। फाटक के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। रेलवे अधिकारी ट्रैक की स्थिति का जायजा लेते रहे और ट्रक को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

रेलवे की जांच शुरूः रेलवे प्रशासन की ओर से बताया गया कि डाउन लाइन पर प्रभावित यातायात को बहाल करने के प्रयास जारी है। अप लाइन पर ट्रेनों को सावधानीपूर्वक पास कराने की व्यवस्था की जा चुकी है, ताकि यात्रियों को कम से कम परेशानी हो। इस घटना पर रेलवे स्तर की ओर से जांच शुरू कर दी गई है। गेट संचालन, सिग्नल सिस्टमऔर ट्रक चालक की लापरवाही इन सभी बिंदुओं पर जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

दावोस में ट्रंप का सनसनीखेज कबूलनामा

जी हां, मैं हूं तानाशाह दुनिया को इसकी जरूरत

एजेंसी

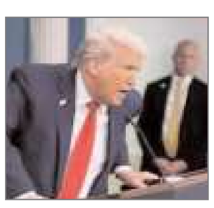

नई दिल्ली/दावोसःअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्विट्जरलैंड में आयोजित विश्व आर्थिक मंच में अपने नेतृत्व शैली और नीतिगत दृष्टिकोण का बचाव करते हुए खुद को तानाशाह बताया। स्विट्जरलैंड के पहाड़ी रिसॉर्ट दावोस में बोलते हुए, ट्रम्प ने अपने भाषण पर मिली प्रतिक्रिया पर विचार व्यक्त किया और इसे अप्रत्याशित रूप से अनुकूल प्रतिक्रिया बताते हुए आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारा भाषण अच्छा था। हमें शानदार प्रतिक्रिया मिली। मुझे विश्वास नहीं हो रहा। ट्रंप ने आगे कहा कि उस भाषण की हमें अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आमतौर पर लोग कहते हैं कि वह एक भयानक तानाशाह जैसा व्यक्ति है। इसी समय ट्रंप ने सीधे उस लेबल को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि हां मैं एक तानाशाह हूं। फिर तुरंत अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा लेकिन कभी-कभी तानाशाह की जरूरत होती है। इसके बाद उन्होंने अपने शासन के मूल सिद्धांत पर बात करना शुरू किया और तर्क दिया कि उनके निर्णय विचारधारा से कम और व्यावहारिकता से अधिक प्रेरित थे। ट्रम्प ने कहा कि यह सब सामान्य ज्ञान पर आधारित है।

इस्पात फैक्ट्री में भीषण विस्फोट छह मजदूरों की मौत, कई झुलसे

बलौदाबाजारः छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार सुबह एक निजी इस्पात कारखाने में हुए जोरदार विस्फोट के कारण छह मजदूरों की मौत हो गई और 10 से अधिक अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम निपानिया में स्थित रियल इस्पात स्पंज आयरन फैक्ट्री में हुई। फैक्ट्री के स्पंज आयरन प्लांट में हुआ यह धमाका इतना तेज था कि पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। फिलहाल विस्फोट के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव दल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने बताया कि घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पांच मजदूरों को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर भेजा गया है, जबकि अन्य घायलों का स्थानीय अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

गणतंत्र दिवस से पहले हाई अलर्ट

आतंकियों के निशाने पर देश के बड़े-बड़े मंदिर,आईएसआई ने बनाया सीक्रेट प्लान

नई दिल्लीः गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के मद्देनजर देशभर में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर आशंका जताई गई है कि आतंकी संगठन इस अवसर को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। इसके बाद दिल्ली सहित कई राज्यों में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, आतंकियों के संभावित निशाने पर देश के प्रमुख धार्मिक स्थल और भीड़भाड़ वाले इलाके बताए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े आतंकी नेटवर्क द्वारा हमले की साजिश रची जा सकती है, जिसे लेकर सभी एजेंसियां सतर्क हैं। आतंकियों ने सीक्रेट प्लान बनाया है, जिसका कोड नेम 26-26 दिया गया है।

अयोध्या और जम्मू के प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा कड़ी : इंटेलिजेंस इनपुट के मुताबिक, अयोध्या का राम मंदिर और जम्मू का रघुनाथ मंदिर संभावित निशानों में शामिल बताए जा रहे हैं। इन सूचनाओं के बाद संबंधित राज्यों में सुरक्षा बलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में भी संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों का कहना है कि आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और कुछ आपराधिक नेटवर्क से जुड़े तत्व इस साजिश में शामिल हो सकते हैं, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही की जाएगी।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस के लिए हाई-टेक सुरक्षा व्यवस्था : गणतंत्र दिवस समारोह को सुरक्षित बनाने के लिए दिल्ली पुलिस ने तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों को अपनाया है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) से लैस स्मार्ट चश्मों का इस्तेमाल किया जाएगा। ये उपकरण पुलिस के केंद्रीय डेटाबेस से जुड़े होंगे, जिससे संदिग्धों की पहचान तुरंत की जा सकेगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एआई आधारित ये सिस्टम कुछ ही सेकंड में चेहरों को स्कैन कर रिकॉर्ड से मिलान करने में सक्षम हैं, जिससे जमीनी स्तर पर तैनात पुलिसकर्मियों को मदद मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर में सर्च ऑपरेशन तेजः गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर में भी सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियानों को तेज कर दिया है। किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है, जहां हाल ही में मुठभेड़ के बाद आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई गई थी। इसके साथ ही संवेदनशील इलाकों में घर-घर तलाशी, निगरानी और गश्त बढ़ा दी गई है। सीमा क्षेत्रों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानीः सुरक्षा एजेंसियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। कुछ प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैंडल्स द्वारा धमकी भरे संदेश और भड़काऊ सामग्री साझा किए जाने की जानकारी मिलने के बाद साइबर निगरानी और तेज कर दी गई है। दिल्ली में संभावित आतंकियों की पहचान को लेकर पोस्टर और सूचनात्मक सामग्री भी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी की गई है, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

उप प्रमुख ने जरूरतमंदो के बीच बांटा कंबल

मुरहूः कड़ाके की ठंड के बीच मुरहू प्रखंड अंतर्गत उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से कंबल वितरण अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराए गए, जिससे ठिठुरन भरी रातों में उन्हें राहत मिली।

बताया गया कि अरुण साबू हर वर्ष न केवल अपने पंचायत में, बल्कि आसपास के पंचायतों में भी इसी सेवा भावना के साथ कंबल वितरण करते आ रहे हैं। उनका मानना है कि भीषण ठंड के समय कंबल वितरण जैसे सेवा कार्य असहाय और जरूरतमंदों के लिए संबल बनते हैं तथा समाज में मानवीय संवेदनाओं को मजबूती देते हैं।

विशेष बात यह है कि अरुण साबू अक्सर रात के समय घर-घर जाकर कंबल वितरित करते हैं, ताकि उन जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके जिन्हें रात की ठिठुरन में कंबल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। कंबल पाकर ठंड में सो रहे लोग उन्हें दिल से आशीर्वाद देते नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि जब से अरुण साबू उप प्रमुख बने हैं, तब से कंबल का वितरण आवश्यकता के अनुसार नियमित रूप से किया जा रहा है। लोगों ने यह भी कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उनके उप प्रमुख बनने के बाद ही प्रत्येक घर तक पहुंचा है। जरूरतमंदों को पूरे प्रखंड सहित जिले स्तर तक योजनाओं का लाभ दिलाना उनकी प्राथमिकता रही है। ग्रामीणों ने अरुण साबू को भरपूर आशीर्वाद देते हुए कहा कि सेवा ही उनका धर्म है, जिसे उन्होंने अपने जीवन में निभाया है और आज भी उसी समर्पण के साथ निभाते आ रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल,रेफर

चतराः सदर थाना क्षेत्र के पफेक्स मॉल के पास हुई सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल युवक की पहचान प्रतापपुर थाना क्षेत्र के विधायक मोहल्ला निवासी अंकित कुमार और पीस कुमार के रूप में हुई है। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पर घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर उपचार के लिए दिन से रेफर किया गया है।

सरना स्थल में घेराबंदी निर्माण का शिलान्यास

मुरीः झारखंड सरकार के मंत्री चमरा लिंडा के अनुमोदन एवं विधायक अमित महतो की अनुशंसा पर पिस्का के सरना स्थल की एक एकड़ में घेराबंदी निर्माण का शिलान्यास रोहणी देवी के कर कमलों से विधायक की उपस्थित में हुआ । इस अवसर पर विधायक ने कहा कि विकास की सोच को पूरा किया जाएगा। हर काम सहयोग एवं आपके माध्यम से होगा, केवल पिस्का ही नहीं सिल्ली के अन्य जगहों का एक- एक काम होगा। आपके अशीर्वाद से हर काम किया जाएगा, इसके लिए सभी को धन्यवाद। मुखिया सोमरा मांझी ने कहा कि पहली बार सिल्ली में सरना स्थल घेराबंदी का काम होगा। इसके लिए उन्हें विधायक अमित महतो को तहे दिलसे से धन्यवाद दिया। वही समाज सेवी रामाकांत मांझी ने विधायक के कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। पाहन दुर्गा चरण मांझी ने विधिवत रूप से शिलान्यास स्थल का पूजा पाठ किया गया। शिलान्यास के बाद सबका मुंह मिठा कराया गया। यह घेराबंदी लाभुको के सहयोग से किया जाएगा। मौके पर जिला परिषद लक्ष्मी देवी, पति अखिल महतो, सिल्ली मुखिया भरत सिंह मुंडा, विनोद कुमार लोहरा(आमीन) , बिक्रम सिंह मुंडा, गोंदुरा उरांव, दुर्गा मांझी, भोंदरू मांझी, मोती लाल मांझी, राजकिशोर लोहरा समेत स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त ने विनय भारती पार्क के पीछे तालाब के गहरीकरण - सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री ने बुधवार की देर शाम विनय भारती पार्क के पीछे स्थित तालाब का निरीक्षण कर वहां चल रहे गहरीकरण, सौंदर्यीकरण एवं मरम्मती कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की बारीकी से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों एवं संवेदक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिल सके तथा क्षेत्र की सुंदरता में भी वृद्धि हो। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आसपास की साफ-सफाई, संरचनात्मक मजबूती एवं भविष्य में तालाब के संरक्षण से संबंधित पहलुओं पर भी आवश्यक सुझाव दिए। इस अवसर पर संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, जिला नियोजन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

दावोस वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में बनी सहमति

इंफोसिस ग्लोबल के साथ टेक्नोलॉजी और एआई के क्षेत्र में झारखंड बढ़ायेगा कदम

संवाददाता

रांचीः दावोस दौरे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गए झारखंड सरकार के उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने बुधवार को इंफोसिस ग्लोबल के साथ टेक्नोलॉजी और एआइ में सहयोग पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ग्लोबल इन्फोसिस, कैलिफोर्निया से एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट आशीष कुमार दास ने मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान झारखंड के दीर्घकालिक विकास विजन और तकनीक आधारित विकास की दिशा में सहयोग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार, बैठक के दौरान इंफोसिस प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों और विजन की सराहना की।

विशेष रूप से प्रतिभाओं के पुनः कौशल विकास (री-स्किलिंग), टेक्नोलॉजी टॉवर की परिकल्पना तथा उन्नत तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से खनन क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन को लेकर राज्य सरकार की सोच को अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक बताया गया।

बैठक में झारखंड के युवाओं को डिजिटल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कौशलों से सशक्त बनाने पर सहमति बनी। इस दिशा में इंफोसिस के विंग्सपैन प्लेटफॉर्म की संभावित भूमिका पर आगे चर्चा किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अलावा खनन क्षेत्र में उत्पादकता, सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए इंफोसिस द्वारा विकसित एआई आधारित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समाधानों को प्रस्तुत करने पर भी सहमति बनी। इसे लेकर फरवरी में एक वर्चुअल सत्र आयोजित किए जाने पर भी सहमति बनी।

तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने की आवश्यकता जताई गईः इंफोसिस ग्लोबल की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को इंफोसिस हाउस भ्रमण का आमंत्रण दिया गया, जहां कंपनी द्वारा विकसित अत्याधुनिक एआई आधारित नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा।

यह बैठक झारखंड में डिजिटल परिवर्तन, कौशल विकास और तकनीक आधारित औद्योगिक प्रगति को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा रही है। आईटी, एआई और अन्य तकनीकों पर सीएम हेमंत सोरेन की दावोस में हो रही बैठकें युवा झारखंड को एक मजबूत दिशा देने का काम करेंगी। गौरतलब है कि वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में पहली बार झारखंड को भाग लेने का अवसर मिला है जिसके लिए इन दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य के आला अधिकारियों की विशेष टीम दावोस दौरे पर है, जहां से लंदन की यात्रा होगी।

सड़क सुरक्षा माह 2026

चलाया गया जागरूकता अभियान हेलमेट व लाइसेंस पर दिया गया जोर

संवाददाता

खूंटीः झारखंड में परिवहन विभाग द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा माह 2026 का आयोजन 1 जनवरी से 31 जनवरी तक किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यभर में सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में खूंटी जिले में भी लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। आज आयोजित जागरूकता अभियान में खूंटी जिला परिवहन पदाधिकारी हरि शंकर बारीक एवं खूंटी विधायक राम सूर्य मुंडा ने आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट वाहन न चलाने की सलाह दी और सड़क पर वाहन चलाने के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य होने की जानकारी दी।

इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी हरि शंकर बारीक ने बताया कि बिना गियर वाले वाहन के लिए 16 वर्ष की आयु के बच्चे लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं, जबकि गियर वाले वाहन चलाने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित है। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर रहे हैं और ओवर स्पीड में वाहन चला रहे हैं, जिसके कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोपहिया वाहन चलाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनना चाहिए, साथ ही वैध लाइसेंस बनवाकर रखना चाहिए। इसके अलावा शराब पीकर वाहन न चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन करने की अपील की गई। विधायक राम सूर्य मुंडा ने भी लोगों से सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लेने की अपील करते हुए कहा कि नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य लोगों को जागरूक कर सड़क हादसों में कमी लाना है। यह जागरूकता अभियान पूरे जनवरी माह तक जिले में विभिन्न माध्यमों से जारी रहेगा।

मोक्तमा के पूर्व मुखिया टेक नारायण सिंह भोक्ता फरार

चतराः सदर पुलिस ने पांच वर्षों से फरार सदर प्रखंड के मोक्तमा पंचायत के पूर्व मुखिया और कारी निवासी टेक नारायण सिंह भोक्ता पिता स्वर्गीय सौभाग्य सिंह भोक्ता के घर पर इश्तहार चिपकाया है। पूर्व मुखिया पर सदर थाना कांड संख्या 219/2020 के तहत हत्या का मामला दर्ज है। पूर्व मुखिया को आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 201 (साक्ष्य नष्ट करना) और 120-बी (षड्यंत्र) के गंभीर अपराधों का आरोपी बनाया गया है। गिरफ्तारी वारंट निष्प्रभावी लौटने के बाद सदर थाना के एएसआई टीपू अंसारी ने टीम के साथ सीआरपीसी की धारा 82 के तहत आरोपी के घर पर घोषणा पत्र चिपकाया। फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस को संतोषजनक प्रमाण मिले हैं कि वह वारंट से बचने के लिए छिपा हुआ है। घोषणा पत्र में साफ चेतावनी दी गई है की 30 दिनों में सरेंडर न करने पर धारा 83 के तहत संपत्ति कुर्की और अन्य कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को तलाशा की जा रहा है। इश्तहार चिपकाने के बाद ग्राम कारी में यह खबर आग की तरह फैल गई है और आरोपी का घर सन्नाटे में डूब गया है। जिला प्रशासन ने फरार अपराधियों पर अभियान तेज करने के निर्देश दिए हैं।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल चतरा का किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

संवाददाता

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सदर अस्पताल, चतरा का औचक निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने सर्वप्रथम सिविल सर्जन कार्यालय स्थित सभा कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की तथा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि चतरा जिला के अधिक से अधिक आमजनों को योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जाए।उन्होंने कहा कि किडनी से संबंधित रोगियों के लिए जिले में संचालित फंक्शनल डायलिसिस सेवा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सभी संबंधित सीएचसी/प्रखंड स्तर से ऐसे मरीजों की पहचान कर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक से समन्वय स्थापित करते हुए उन्हें रेफर करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि सीएचसी स्तर पर डायलिसिस, निःशुल्क एंबुलेंस सेवा तथा जीवन तरंगिनी जैसी योजनाओं के संबंध में आमजनों को जागरूक किया जाए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर समुचित लाभ मिल सके।बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कार्यरत सभी चिकित्सकों को निर्देशित किया गया कि चिन्हित मरीजों की स्क्रीनिंग के साथ-साथ उनके नियमित फॉलो-अप को भी प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बैठक के दिन किसी भी एमओआईसी को उपायुक्त के आदेश के बिना अवकाश प्रदान नहीं किया जाए।उपायुक्त ने वेक्टर बोर्न डिजीज (भीबीडी) के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। जिले के दो आयुष्मान आरोग्य मंदिर को एनक्यूएएस प्रमाण प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।समीक्षा बैठक के उपरांत उपायुक्त ने सदर अस्पताल, चतरा में उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया और मरीजों को दी जा रही सेवाओं का जायजा लिया।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ पंकज, डीपीएम, डीपीसी, डीडीएम, डीएएम, वीबीडी कंसल्टेंट, प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एसपी के निर्देश के बाद जंगल-पहाड़ों में सघन अभियान में जुटी पुलिस

किशोरी की सुरक्षित बरामदगी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताः एसडीपीओ

संवाददाता

चतराः जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव से लापता 15 वर्षीय किशोरी मुन्नी कुमारी उर्फ रानो कुमारी की बरामदगी के लिए पुलिस ने तलाश के लिए अभियान तेज कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। इस टीम में सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम खंडेलवाल,डीएसपी वशिम रजा तथा पुलिस निरीक्षक सनोज कुमार चौधरी, थाना प्रभारी शिवा यादव को शामिल किया गया है।एसआईटी के नेतृत्व में पुलिस बल गांगपुर और आसपास के इलाकों में जंगलों व पहाड़ी क्षेत्रों में तालाब, कुवां सहित अन्य संवेदनशील जगहों पर लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। दुर्गम क्षेत्रों में भी पुलिस की टीमें पैदल गश्त कर रही है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ कर संभावित सुराग जुटाए जा रहे हैं। पुलिस तकनीकी संसाधनों का भी सहारा ले रही है, ताकि किशोरी का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।मालुम हो कि बीते 28 दिसंबर को गांगपुर निवासी निर्मल राणा की 15 वर्षीय पुत्री मुन्नी कुमारी उर्फ रानो पिकनिक मनाने गए बच्चों के पास जाने के लिए निकली, पर उनलोगों तक नहीं पहुंच सकी और रास्ता भटक गई थी। इसके बाद से वह घर नहीं लौटी है। जिससे परिजनों में गहरी चिंता और बेचैनी बनी हुई है। परिजनों द्वारा गिद्धौर थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की।एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल ने बताया कि किशोरी की सुरक्षित बरामदगी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जा रही है और सर्च अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक मुन्नी का पता नहीं चल जाता। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी को किशोरी के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस अधिकारियों को सूचित करें। उन्होंने कहा कि पुलिस ने 50 हजार रुपये इनाम की भी घोषणा की है।

तुक्कू में झारखंड विकास मेला 28 जनवरी को

सिल्ली : प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सिलाई प्रखंड के तुमको गांव में झारखंड विकास मेला लगेगा। मेला में छऊ नृत्य एंव मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। बंगाल के सुप्रसिद्ध छऊ नृत्य उस्ताद कार्तिक सिंह मुंडा बनाम डा सुशेन सिंह मुंडा द्वारा छऊ नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर मेला कमेटी की ओर से इचाक विधायक सविता महतो तमाड़ विधायक विकास सिँह मुंडा एंव सिल्ली विधायक अमित महतो को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उक्त जानकारी संरक्षक सतीश कुमार अध्यक्ष अनिल कुमार महतोउपाध्यक्ष विकललोहरा सचिव सुशेन महतो एंव उप सचिव भरत महली ने संयुक्त रूप से दी।

राज्य का हेल्थ सिस्टम होगा मजबूत

गांव-गांव में बनेगा बीपीएचयू सरकार ने दी मंजूरी

राज्य के सभी जिलों के हर विधानसभा क्षेत्र में कुल 203 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से 245 बीपीएचयू खोले जाएंगे

संवाददाता

रांचीः झारखंड की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। झारखंड में सभी जिलों के हर विधानसभा क्षेत्र में कुल 203 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से 245 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) खोले जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसकी स्वीकृति दे दी है। सरकार के इस पहल से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदलने की उम्मीद जताई जा रही है।

किस मकसद से बनाया गया है ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट

ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट को इसलिए बनाया गया है ताकि हर ब्लॉक में ही लोगों को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। इसका मकसद इलाज से जुड़ी सेवाओं और लोगों की सेहत से जुड़े बाकी कामों को आपस में बेहतर तरीके से जोड़ना है। बीपीएचयू बनने से बीमारियों पर नजर रखने के साथ साथ पहले से प्लान बनाने और इमरजेंसी के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे बीमारियों और महामारी की समय रहते पहचान कर प्रभावी रूप से कंट्रोल संभव हो सकेगा।

स्वास्थ्य व्यवस्था होगी मजबूत

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सरकार का उद्देश्य है कि हर ब्लॉक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, समय पर जांच, सटीक डाटा और त्वरित स्वास्थ्य प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से आदिवासी, दूरदराज और वंचित क्षेत्रों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

बीपीएचयू में पहले से मौजूद अस्पताल को जोड़ा जाएगा

हर बीपीएचयू में पहले से मौजूद अस्पताल या हेल्थ सेंटर को जोड़ा जाएगा। साथ ही ब्लॉक स्तर पर एक हेल्थ लैब और एक डिजिटल सिस्टम भी बनाया जाएगा, जहां जांच की रिपोर्ट और हेल्थ से जुड़ा डेटा रखा जाएगा। इससे हर तरह की मेडिकल जांच आसान होगी और बीमारियों के फैलने पर सही जानकारी के आधार पर जल्दी कदम उठाया जा सकेगा। इसके लिए हेल्थ एक्सपर्ट और बीमारी विशेषज्ञ भी तैनात किए जाएंगे।

झारखंड का हेल्थ सिस्टम होगा मजबूत

झारखंड सरकार की यह योजना प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन और 15वें वित्त आयोग के तहत लागू की जा रही है। 245 बीपीएचयू बनने से झारखंड में हेल्थ सिस्टम मजबूत होगा, ताकि लोगों को अपने इलाके में ही बेहतर और समय पर इलाज मिल सके।

धूमधाम से निकाली जायेगी पहाड़ी बाबा की तिलकोत्सव शोभा यात्रा

मेट्रो रेज

रांचीः श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर एवं आर्यपुरी शिव पंच मंदिर हिमालय परिवार द्वारा पहाड़ी बाबा के भव्य तिलकोत्सव को लेकर मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेम साहू ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 23 जनवरी, शुक्रवार, वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर दोपहर एक बजे गाजे-बाजे, ढोल-ताशे के साथ पहाड़ी बाबा का भव्य तिलकोत्सव शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह शोभा यात्रा आर्यपुरी शिव पंच मंदिर से प्रारंभ होकर पहाड़ी मंदिर पहुंचेगी।

इस शोभा यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे और फल, फूल एवं मिठाइयों की टोकरी सिर पर लेकर बाबा का तिलक करने पहुंचेंगे। पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर सभी श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद पूरे सनातन विधि-विधान से पहाड़ी बाबा का तिलक चढ़ाया जाएगा तथा उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच भोग-प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

बैठक में मुख्य रूप से राजेश साहू, बादल सिंह, रिवाल्डो वर्मा, देवाशीष राय, रजनीश सिंह(भोलू), शुभाशीष चटर्जी, मीरा गुप्ता, राम सिंह, क्षितिज मिश्रा, सुधांशु सिंह उपस्थित रहे।

तिलकोत्सव शोभा यात्रा के सफल आयोजन के लिए एक संचालन समिति का गठन किया गया। इस समिति में मंदिर के पुजारी नंदकिशोर पाठक, नितेश पाठक के साथ-साथ राजेश साहू, शिव प्रसाद गुप्ता, अशोक बजाज, गोपाल यादव, मोती सिंह, नवीन पपनेजा, संजय, दिलीप अग्रवाल, गुड्डू, बबलू जायसवाल, बसंत पटवारी, कुमारी तन्नू, कौशल चौधरी, मनोज साहू, डमरूवाले बाबा, तड़ित राय, बादल सिंह सहित अनेक शिव भक्तों को शामिल किया गया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि तिलकोत्सव शोभा यात्रा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। पूरे मार्ग पर सजावट, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल एवं भोग प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी।

जैक बोर्ड एग्जाम 2026: कक्षा 8, 9 और 11वीं की परीक्षा ओएमआर शीट पर, जारी हुआ पूरा शेड्यूल

संवाददाता

रांचीः ओएमआर शीट पर होंगी कक्षा 8वीं, 9वीं और 11वीं की बोर्ड परीक्षाएंः जैक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, कक्षा 8वीं, 9वीं और 11वीं की बोर्ड परीक्षाएं ओएमआर शीट पर आयोजित की जाएंगी। छात्रों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए परीक्षा शुरू होने से पहले 15 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा। बोर्ड ने सभी स्कूलों और कॉलेजों को परीक्षा से जुड़े निदेशों का सख्ती से पालन करने को कहा है।

25 से 27 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी 11वीं की बोर्ड परीक्षाएं

जारी शेड्यूल के मुताबिक, कक्षा 8वीं की परीक्षा 24 फरवरी को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलेगी। कक्षा 9वीं की परीक्षाएं 28 फरवरी और 2 मार्च को दो पालियों में होंगी। वहीं, कक्षा 11वीं की बोर्ड परीक्षाएं 25 फरवरी से 27 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी।

ऐसे डाउनलोड करें एडमिट कार्ड

परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकेंगे। कक्षा 8वीं के छात्रों के लिए एडमिट कार्ड 14 फरवरी से और कक्षा 9वीं के लिए 20 फरवरी से उपलब्ध होंगे। अंकों के पैटर्न की बात करें तो कक्षा 8वीं में हर विषय के लिए 50 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कक्षा 9वीं और 11वीं में अधिकतर विषयों के लिए 40 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। कक्षा 11वीं की परीक्षा में कोर लैंग्वेज, फिजिक्स, केमिस्ट्री, अकाउंटेंसी और बायोलॉजी जैसे विषय शामिल हैं।ओएमआर आधारित परीक्षा के साथ-साथ आंतरिक मूल्यांकन के अंक भी स्कूल स्तर पर दिए जाएंगे। कक्षा 8वीं के लिए 100 अंक, कक्षा 9वीं के लिए 10 अंक और कक्षा 11वीं के लिए भी आंतरिक मूल्यांकन का प्रावधान किया गया है। ये अंक शिक्षकों द्वारा मार्च 2026 के दौरान ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। आंतरिक मूल्यांकन के अंक भरने की अंतिम तिथि अलग-अलग कक्षाओं के लिए 2 मार्च से 15 मार्च के बीच तय की गई है।

अभी दो दिन और सताएगी ठंड, 26 जनवरी को कोहरे और बादलों का अलर्ट

रांची में फिर गिरेगा पारा, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का होगा असर, तापमान में होगा उतार-चढ़ाव

संवाददाता

रांचीः झारखंड में फिलहाल ठंड से पूरी तरह राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक सुबह और रात में ठंड बनी रहेगी। राज्य के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में अभी 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट हो सकती है। हालांकि इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है।

24 और 25 को राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना

मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिनों में दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे दिन के समय हल्की गर्मी महसूस होगी। 24 और 25 जनवरी को राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है।

वहीं 26 जनवरी की सुबह कोहरा छा सकता है। तापमान की बात करें तो चाईबासा 30.4 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा, जबकि गुमला में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सबसे ठंडा जिला रहा। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री सेल्सियस रहा। उत्तर-पश्चिमी जिलों जैसे पलामू और गढ़वा में रात का तापमान 8 डिग्री तक गिर सकता है। वहीं सिंहभूम क्षेत्र में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

तापमान में फिर से उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 26 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसका असर अगले दो दिनों में झारखंड में भी देखने को मिल सकता है। इसके कारण राज्य में बादल बढ़ सकते हैं, सुबह के समय कोहरा ज्यादा हो सकता है और तापमान में फिर से उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

मौसम केंद्र ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी

बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और मौसम केंद्र ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाव करने को कहा गया है। साथ ही, कोहरे के कारण वाहन चालकों को भी सावधानी से गाड़ी चलाने की अपील की गई है।

सरस्वती पूजा कल, तैयारी अंतिम चरण में

खलारीः माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला उत्सव बसंत पंचमी यानी सरस्वती पूजा शुक्रवार यानी कल है। ऐसे में खलारी प्रखंड क्षेत्र में सरस्वती पूजा की तैयारी पूरे जोरों पर है। मूर्तिकार मां सरस्वती की सुंदर मूर्तियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। क्षेत्र में पूजा स्थलों पर पंडाल बनाने की तैयारी भी चल रही है। छात्र-छात्राओं में पूजा को लेकर बहुत उत्साह है। खलारी-कोयलांचल के चौक-चौराहे पर फल और फूलों की दुकानें सजने लगी हैं। पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजार में श्रद्धालुओं की भीड़ बढने लगी है। वहीं पूजा पंडालों में भी सजावट का काम चल रहा है।

पूजा को लेकर बढ़ी फूलों की मांगः सरस्वती पूजा को लेकर सजावट सामग्री सहित फूलों का बाजार गर्म हो गया है। श्रद्धालु अपने घरों और पूजा पंडालों को सजाने के लिए विभिन्न प्रकार की सजावट सामग्री और फूलों की खरीदारी करते हैं। फूलों के व्यापारी कहते है कि कुछ दिन पहले से ही ग्राहक फूल खरीदने के लिए दुकानों पर आ रहे हैं। फूलों की बिक्री बढ़ी है।

श्रद्धालुओं ने शुरू कर दिया है प्रतिमाएं ले जानाः सरस्वती पूजा शुभ मुहूर्त एवं व्यवस्थित तरीके से करने के लिए श्रद्धालु पूजा के एक दिन पूर्व ही सरस्वती की प्रतिमाएं मूर्तिकार के यहां से ले जाते हैं। मूर्तिकार प्रमोद प्रजापति ने बताते हैं कि दूर-दराज जानेवाली प्रतिमाओं को समय से पहले ले जाते हैं, इसलिए वैसी प्रतिमाओं को पूरी तरह तैयार कर दिया गया है, जबकि बाकी प्रतिमाओं को सजाने का कार्य अंतिम चरण में है। प्रजापति ने बताया कि इस वर्ष 110 मूर्तियां बनायी गयी है।

भाजपा नेता और नाबालिग बेटे पर हमला

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान शुरू

संवाददाता

पलामूः भाजपा की पलामू जिला इकाई के अध्यक्ष सोमेश कुमार सिंह और उनके नाबालिग बेटे पर एक गांव में उनकी जमीन पर चारदीवारी के निर्माण के दौरान बदमाशों ने कथित तौर पर हमला किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

हैदरनगर पुलिस थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि सिंह ने कहा है कि मंगलवार को बिंदूबिघा गांव में उन पर और उनके 17 वर्षीय बेटे पर हमला किया गया था। पुलिस अधिकारी ने कहा, ह्यह्यशिकायत में सोमेश कुमार सिंह ने कई ग्रामीणों का नाम लिया है, जिन्होंने अज्ञात बदमाशों की मदद से लाठियों और रॉड से उन्हें और उनके बेटे को पीटा, जिससे दोनों को चोटें आईं।" शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि हमलावरों के पास पिस्तौल और चाकू थे और उन्होंने घटनास्थल पर खड़ी एक कार की खिड़कियां तोड़कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। अधिकारी ने कहा, ह्यह्यहम आरोप की जांच कर रहे हैं और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।"

सिस्टा का वनभोज सह मिलन समारोह को आठ को

पिपरवारः कोल इंडिया एससी-एसटी एंप्लाइज एसोसिएशन की बैठक बसंत विहार कॉलोनी में बुधवार शाम आनंद मुंडा की अध्यक्षता में हुई। इसमें सिस्टा कार्यालय नहीं होने पर चिंता व्यक्त की गयी। बताया गया कि कार्यालय नहीं होने से संगठन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि क्षेत्र में 60 प्रतिशत से अधिक सीसीएलकर्मी एससी-एसटी हैं। सदस्यों ने चर्चा के दौरान प्रबंधन से सिस्टा के लिए कार्यालय उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इसके अलावा आगामी आठ फरवरी को वनभोज सह मिलन समारोह के आयोजन पर सहमति बनी। संचालन कामेश्वर राम ने किया। मौके पर बाबूलाल राम, संतोष कुमार राम, सुनील मुंडा, ललिंदर कुमार, रामजीत राम, व्याकुल सेठ, गंगा राम, पूरन गंझू, अघनु देशवाली नागेश्वर राम, विकास मिंज, बसंत कुमार, गणेश कुमार, सुरेंद्र राम, लकेश्वर लाल, हिमांशु चटर, देवनाथ राम, मुंशी राम, जमुना रजवार, शिबू लोहार, ललकु भुईयां, जेम्स उरांव, अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।

क्षितिज मूक-बधिर मध्य विद्यालय के छात्रों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण

मेट्रो रेज

रांचीः शहर के निवारणपुर स्थित क्षितिज मूक-बधिर मध्य विद्यालय के छात्रों के बीच गुरुवार को परिधान वितरित किया गया। शहर के प्रतिष्ठित रेडिमेड वस्त्र व्यवसायी व बालाजी फैशन के संचालक मुकेश पोद्दार व उनकी धर्मपत्नी उषा पोद्दार ने स्कूल के छात्रों को गर्म वस्त्र बांटे। मौके पर मुकेश पोद्दार ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। उन्होंने अन्य समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों से भी पीड़ितों व जरुरतमंदों की सेवा में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की। इस अवसर पर जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता तुषार कांति शीट, मूक-बधिर मध्य विद्यालय के प्राचार्य रविशंकर झा, अनिमेष पोद्दार, अवनि पोद्दार, सहायक शिक्षक ओंकार राम, शिक्षिका सीमा सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यालय सहायक निदेशक गन्ना विकास राँची
कृषि भवन कॉके रोड रॉची, संयुक्त कृषि निदेशक रॉची के प्रथम तल
Email Id. Sugarcane ranchi@gmail.com

आवश्यक सूचना
पहले आओ पहले पाओ

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 08.01.2026 द्वारा कार्यालय सहायक निदेशक गन्ना विकास रॉची द्वारा दैनिक समाचार पत्रों में 08.01.2026 के PR-370195 (Agriculture) 2025-26 D के माध्यम से की गई थी, उक्त के आलोक में कृषि यंत्र यथा लक्ष्य ,गन्ना क्रसर कड़ाह मशीन (छोटा) लक्ष्य–14, गन्ना क्रसर कड़ाह मशीन (बड़ा) लक्ष्य–03, पॉवर वीडर/रोटरी टीलर –86 ,पंप सेट 1.5 एच0पी0 –2 एच0पी0 – 128 , गन्ना जूसर मशीन–61 एवं नेपसैक स्प्रेयर–95 का लक्ष्य अनुसार आवेदन प्राप्त नही हो पाई पुनः रांची जिले में कलस्टर एप्रोच में गन्ना कृषि यंत्रों को कराने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी रॉची के माध्यम से दिनांक 22.01.2026 से 30.01.2026 तक कार्यालय अवधि में (अवकाश को छोड़.कर) समय 10.30 बजे पूर्वाहन से 5.00 बजे अपराह्न तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय, को ससमय पूर्ण रूपेण भरे हुए आवेदन को निम्न शर्तों के अनुसार समर्पित किया जा सकता है।

शर्तें

1. आवेदन पूर्ण रूप से भरा होना चाहिए, अधूरे भरे आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. आवेदन पर BAO/BTM/ATM तथा जनप्रतिनिधि द्वारा अनुशंसा अनिवार्य है।
3. भरे हुए आवेदन को संबंधित जिला के जिला कृषि पदाधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराना होगा।
4. आवेदन उक्त वर्णित अंतिम तिथि एवं समय के बाद स्वीकार नही किया जाएगा।
5. लक्ष्य पूर्ण होने की स्थिति में, "पहले आओ पहले पाओ में", पहले प्राप्त होने वाले आवेदन को प्राथमिकता दी जाएगी।
6. यदि रॉची जिला के कृषकों द्वारा लक्ष्य पूरा नहीं होनें की स्थिति मे दुसरे जिला कार्यालय सहायक निदेशक गन्ना विकास रॉची से संबंधित जिला के कृषकों को कृषि यंत्र उपलब्ध कराया जाएगा।
7. आवेदन के साथ एक फार्म में वर्णित सभी जमीन संबंधित कागजात फार्म के साथ संलग्न करना होगा।
8. किसी भी त्रुटिपूर्ण आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।
9. आवेदन पत्र प्रारूप/परिशिष्ट (I) के लिए संबंधित जिला कृषि कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं।
10. रविवारीय या राज्य सरकार द्वारा घोषित अवकाश के दिन कार्यालय बंद रहेगा।

नोट : – किसी भी जानकारी के लिए 7992484748 पर संपर्क किया जा सकता है।

आदेशानुसार
सहायक निदेशक,
गन्ना निदेशक , रॉची।

PR 371287 (Agriculture) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आर्थिक मोर्चे पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ता भारत

दुनिया की अर्थव्यवस्था जब अनिश्चितताओं, राजनीतिक तनावों और सुस्त मांग के दौर से गुजर रही हो, तब भारत की तस्वीर निश्चित ही उत्साह से भर देती है। मजबूत घरेलू मांग, निवेश के प्रति सकारात्मक माहौल, बढ़ता औद्योगिक भरोसा जिसमें कि सुधारों की निरंतरता भी लगातार बनी हुई है, ये सभी कारण आज भारत को आर्थिक मोर्चे पर एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित करते हैं। वस्?तुतः भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई का ताजा बिजनेस आउटलुक सर्वे इसी सशक्त और आशाजनक परिदृश्य की पुष्टि कर रहा है। दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल और गतिशील घरेलू बाजार है। देखा जाए तो इस वक?त वैश्विक स्तर पर निर्यात आधारित अर्थव्यवस्थाएं दबाव महसूस कर रही हैं, दूसरी ओर भारत है जहां आंतरिक मांग विकास का मजबूत आधार तैयार करती है। यही कारण है कि भारत में उद्योग जगत का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और कंपनियां भविष्य को लेकर आशावादी नजर आती हैं। इसीलिए ही इस वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में सीआईआई का बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स बढ़कर 66.5 पर जा पहुंचा है। यह पिछले पांच तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। यहां उल्लेखित कर दें कि किसी भी सूचकांक में 50 से ऊपर का आंकड़ा इस दिशा में सकारात्मकता का संकेत है। ऐसे में 66.5 का स्तर इतना बताने के लिए पर्याप्?त है कि भारतीय उद्योग सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके सामने आए आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में लगभग दो तिहाई कंपनियों ने मजबूत मांग दर्ज की। वहीं चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 72 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि आने वाले समय में मांग और बढ़ेगी। वहीं, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में निवेश बढ़ना इस बात का प्रमाण है कि अर्थव्यवस्था में विश्वास का माहौल है। सीआईआई सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि कंपनियां अपनी हायरिंग और निवेश योजनाओं को आगे बढ़ाना इसलिए भी चाह रही हैं क?योंकि जहां एक ओर विश?व के कई देशों में आज ऊंची ब्याज दरों, महंगाई के दबाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाओं का सामना देखा जा रहा है। वहीं, भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत स्थिर और मजबूत दिखाई देती है। यदि इसके पीछे के कारणों को देखें तो इसका प्रमुख कारण मजबूत घरेलू सुधार, नीतिगत स्थिरता और सरकार तथा उद्योग के बीच निरंतर संवाद का सतत प्रक्रिया के रूप में चलते रहना है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भी भारत की विकास दर को लेकर सकारात्मक हैं और आने वाले वर्षों में भारत के 6 से 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। अभी इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने बोला भी कि भारत आज दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन की तरह काम कर रहा है। आईएमएफ के कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट की डायरेक्टर जूली कोजैक का कहना है कि भारत की तीसरी तिमाही की आर्थिक ग्रोथ उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत रही है। जब कई बड़े देश स्लो ग्रोथ या मंदी के खतरे से जूझ रहे हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। आईएमएफकी आर्टिकल आईवी स्टाफ रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.6 प्रतिशत रह सकती है। इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण बताया गया है- मजबूत घरेलू खपत। सरल शब्दों में कहें तो भारत के लोग खर्च कर रहे हैं, बाजार चल रहे हैं, उद्योग सक्रिय हैं और यही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है। आईएमएफ अगले हफ्ते अपना विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) अपडेट जारी करने वाला है। इस रिपोर्ट में भारत की नई ग्रोथ दर, अन्य प्रमुख देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की ताजा तस्वीर शामिल होगी। आईएमएफ का कहना है कि इस रिपोर्ट के बाद यह और साफ हो जाएगा कि हाल के आर्थिक आंकड़ों ने भारत और दुनिया की अर्थव्यवस्था को किस तरह प्रभावित किया है। अतः निष्?कर्ष यही है कि सीआईआई का बिजनेस आउटलुक सर्वे यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत का घरेलू आर्थिक मोर्चा मजबूत, संतुलित और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। मजबूत मांग, बढ़ता निवेश, सुधारों की निरंतरता और नवाचार पर फोकस ने भारत को एक उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की ओर अग्रसर किया है। यदि सरकार और उद्योग मिलकर इसी दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे तब यह तय है कि आने वाले वर्षों में भारत इसी तरह से तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वह आगे भी समावेशी और टिकाऊ विकास का वैश्विक उदाहरण भी प्रस्तुत करता रहेगा।

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं। मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है। लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने के संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर लिए हैं और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है। बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है। अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत? क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी! फिलवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है, जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था, लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली, ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं।

भोजशाला विवाद और माँ वाग्देवी का प्रश्नः आस्था, इतिहास और समाधान की तलाश

> हर वर्ष कानून-व्यवस्था, निषेधाज्ञा और पुलिस बल की तैनाती चर्चा का विषय बन जाती है। भोजशाला विवाद यह स्पष्ट करता है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी भारत अपने इतिहास को लेकर कितनी दुविधा और संकोच में जी रहा है। भोजशाला का नाम 11वीं शताब्दी के परमार शासक राजा भोज से जुड़ा माना है।

सचिन दवे

मध्य प्रदेश के धार जिला स्थित भोजशाला केवल पत्थरों से बनी प्राचीन इमारत भारत की उस जीवंत सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जहाँ इतिहास, आस्था, विद्या और राजनीति एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई दिखाई देती हैं। पिछले कई दशकों से भोजशाला विवाद भारतीय समाज के सामने एक ऐसे प्रश्न के रूप में खड़ा है, जो किसी धार्मिक स्थल के अधिकार तक सीमित नहीं होकर हमारी ऐतिहासिक समझ, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की भी गंभीर परीक्षा लेता है। विडंबना यह है कि जहाँ कभी विद्या और ज्ञान की साधना होती थी, वहीं आज हर वर्ष कानून-व्यवस्था, निषेधाज्ञा और पुलिस बल की तैनाती चर्चा का विषय बन जाती है। भोजशाला विवाद यह स्पष्ट करता है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी भारत अपने इतिहास को लेकर कितनी दुविधा और संकोच में जी रहा है। भोजशाला का नाम 11वीं शताब्दी के परमार शासक राजा भोज से जुड़ा माना है। राजा भोज भारतीय इतिहास में विद्या, साहित्य, विज्ञान और कला के महान संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनके शासनकाल में मालवा क्षेत्र शिक्षा और संस्कृत अध्ययन का प्रमुख केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार भोजशाला उसी बौद्धिक परंपरा का प्रतीक थी, जहाँ विद्या की देवी माँ वाग्देवी अर्थात सरस्वती की उपासना होती थी और जहाँ अध्ययन-अध्यापन की समृद्ध परंपरा विकसित हुई। शिलालेख, स्थापत्य शैली और साहित्यिक संदर्भ इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि भोजशाला केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि एक विद्या केंद्र भी रहा है। इस दृष्टि से इसका महत्व किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं रहकर भारतीय सभ्यता की सामूहिक बौद्धिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करता है। इसके विपरीत मुस्लिम समुदाय द्वारा इसे कमाल मौला की मस्जिद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। किंतु इस दावे के समर्थन में ठोस ऐतिहासिक प्रमाणों का अभाव दिखाई देता है। न तो स्थापत्य शैली मस्जिद की पारंपरिक संरचना से मेल खाती है और न ही उपलब्ध ऐतिहासिक स्रोत इस दावे की पुष्टि करते हैं। इसी दोहरी पहचान ने भोजशाला विवाद को जन्म दिया, जो समय के साथ धार्मिक न रहकर सामाजिक और राजनीतिक विवाद में परिवर्तित हो गया। भोजशाला विवाद का एक अत्यंत महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष माँ वाग्देवी की प्राचीन मूर्ति से जुड़ा है। मान्यता है कि राजा भोज ने 1034 ईस्वी में इस मूर्ति की स्थापना कराई थी। यह मूर्ति धार्मिक आस्था का प्रतीक होने के साथ ही मध्ययुगीन मालवा की उत्कृष्ट शिल्पकला की अद्वितीय मिसाल भी थी। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों की जो व्यापक लूट हुई, भोजशाला भी उससे अछूती न रह सकी। 1902 में तत्कालीन वायसराय लार्ड कर्जन के मालवा दौरे के दौरान भोजशाला में स्थापित माँ वाग्देवी की मूर्ति ने उनका ध्यान आकर्षित किया। इसके पश्चात प्रशासनिक आदेश के तहत इस मूर्ति को धार से गुजरात की खंभात खाड़ी के माध्यम से समुद्री मार्ग द्वारा इंग्लैंड भेज दिया गया, जहाँ आज यह लंदन के एक संग्रहालय में सुरक्षित है।

स्वतंत्र भारत में इस मूर्ति की वापसी की मांग समय-समय पर उठती रही है। 1950 और 60 के दशकों में स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों ने केंद्र सरकार और ब्रिटिश अधिकारियों से पत्राचार किया। 1962 में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर स्वयं लंदन गए और देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री से माँ वाग्देवी की मूर्ति की वापसी का आग्रह किया। 2011 में डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने भी इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा की। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी यह घोषणा की थी कि सरकार इस मूर्ति को वापस लाने का प्रयास करेगी, किंतु राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस कूटनीतिक प्रयासों के अभाव में अब तक कोई परिणाम सामने नहीं आ सका।

यह उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में भारत कई प्राचीन मूर्तियाँ और कलाकृतियाँ विदेशों से वापस लाने में सफल रहा है। भगवान बुद्ध और भगवान शिव की कुछ दुर्लभ प्रतिमाएँ भारत लौट चुकी हैं। इससे स्पष्ट होता है कि यदि सरकार ठान ले और अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रियाओं को गंभीरता से आगे बढ़ाए तो माँ वाग्देवी की मूर्ति की वापसी भी असंभव नहीं है।

भोजशाला विवाद कई बार न्यायालयों तक भी पहुँच चुका है। प्रशासन ने दशकों से कानून-व्यवस्था के नाम पर पूजा और सीमित नमाज की व्यवस्था लागू कर रखी है। यह व्यवस्था तात्कालिक शांति तो बनाए रखती है किंतु स्थायी समाधान प्रदान नहीं करती। वास्तविक समस्या यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें अब तक इस विषय पर कोई स्पष्ट और अंतिम निर्णय लेने से बचती रही हैं। इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, कानूनी जटिलताएँ और राजनीतिक समीकरणों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

वर्ष 2016 की तरह वर्ष 2026 में भी जब बसंत पंचमी और शुक्रवार एक साथ पड़ रहे हैं तो आम नागरिक के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या भारत अपनी सनातन सांस्कृतिक विरासत की रक्षा कर पाएगा? क्या विद्या की देवी की उपासना को हर वर्ष प्रशासनिक आदेशों और अस्थायी व्यवस्थाओं में बाँध दिया जाएगा या फिर इतिहास और आस्था के साथ न्याय किया जाएगा?

ऐतिहासिक तथ्यों और सांस्कृतिक साक्ष्यों के आधार पर यह स्वीकार करना होगा कि भोजशाला का मूल स्वरूप एक हिंदू शैक्षणिक और धार्मिक स्थल का रहा है। स्थायी शांति तभी संभव है जब भोजशाला को पूर्ण रूप से हिंदुओं को सौंपा जाए और माँ वाग्देवी की मूर्ति को भारत वापस लाने के लिए गंभीर और ठोस प्रयास किए जाएँ।

अंततः भोजशाला इस बात का प्रतीक है कि भारतीय समाज में धर्म, संस्कृति और इतिहास के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है। यह विवाद आज विश्वास, पहचान और ऐतिहासिक सत्य की व्याख्या का प्रश्न है। यदि भारत को वास्तव में आत्मविश्वासी और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनना है तो उसे ऐसे प्रश्नों से बचना नहीं बल्कि ईमानदारी और साहस के साथ उनका समाधान खोजना चाहिए।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

ऋतुराज बसंतः प्रकृति के नवश्रृंगार से संस्कृति और साधना तक

> कड़ाके की सर्दी के बाद आए बसंत ने नर-नारी ही नहीं, बल्कि समस्त प्राणी जगत, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं में भी नई उम्मीद, नवीन उमंग और आशा का संचार कर दिया है। शिशिर के घोर संताप से संत्रस्त प्रकृति बसंत के शुभागमन के साथ अपना नूतन श्रृंगार कर लेती है। बसंत ऋतु फाल्गुन में जन्म लेती है, चैत्र में जवान होती है

उदय कुमार सिंह

ऋतुओं के राजा बसंत का शुभागमन हो गया है। प्रकृति का यह अद्भुत और अनोखा उपहार अपने साथ उल्लास, उमंग और उत्साह का संदेश लेकर आया है। बसंत के आते ही सर्दी का सितम थम गया है, शीत का प्रकोप दूर हो गया है और मौसम सुहावना बन गया है। चारों ओर आनंद और उत्सव का वातावरण दिखाई देने लगा है। कड़ाके की सर्दी और पतझड़ के कारण जिन पेड़ों के पत्ते झड़ गए थे, उनकी नंगी शाखाओं की फुनगियों पर लाल-लाल कोपलें फूट पड़ी हैं। प्रकृति में मानो नया उत्साह छा गया है। पहाड़ों की बर्फ पिघलने लगी है, वन-उपवन की शोभा बढ़ गई है और समस्त वातावरण में चार चांद लग गए हैं। घर-बार, बाग-बगीचे, घाटियां और वादियां फूलों से आच्छादित हो गई हैं। पर्वतीय प्रदेश नाना प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से महक उठे हैं। लाल-गुलाबी, नीले-पीले, बैंगनी और आसमानी रंगों की छटा मन को मोह लेती है। भौंरे मंडराने लगे हैं और रंग-बिरंगे फूलों को देखकर मयूर आनंद से नृत्य करने लगता है। बसंत ऋतु में विशेषकर गांवों और कस्बों में अलग ही उल्लास देखने को मिलता है। खेत-खलिहानों, बाग-बगीचों में गजब की रौनक है। किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। खेतों में सरसों के पीले-पीले फूल खिल गए हैं, गेहूं और जौ की बालियां हिलोरे मार रही हैं और हरी-भरी फसलें लहलहा रही हैं। पेड़ों पर झूले डाल दिए गए हैं। सखी-सहेलियां हर्षोल्लास के साथ गीत गा रही हैं और नृत्य के माध्यम से ग्रामीण जीवन को प्रफुल्लित कर रही हैं। इन गीतों में प्रकृति के प्रति प्रेम, अपनों के प्रति स्नेह, बच्चों के प्रति ममता और प्रियतम को बुलाने का भाव झलकता है। कड़ाके की सर्दी के बाद आए बसंत ने नर-नारी ही नहीं, बल्कि समस्त प्राणी जगत, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं में भी नई उम्मीद, नवीन उमंग और आशा का संचार कर दिया है। शिशिर के घोर संताप से संत्रस्त प्रकृति बसंत के शुभागमन के साथ अपना नूतन श्रृंगार कर लेती है। बसंत ऋतु फाल्गुन में जन्म लेती है, चैत्र में जवान होती है और वैशाख में विश्राम को चली जाती है। आदि और अनंत काल से बसंत मनुष्य को हंसाता-खिलखिलाता आया है और उसे यह संदेश देता है कि दुख और पीड़ा के बाद सुख और चैन का समय अवश्य आता है। भारतवर्ष में बसंत पंचमी का विशेष महत्व है। भारतीय सनातन संस्कृति में यह हिंदू धर्म का महान और पावन पर्व माना गया है। बसंत पंचमी अपने आप में मनोहारी प्राकृतिक परिवर्तनों को समेटे हुए है। इस दिन जहां ऋतु परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देता है, वहीं धर्मपरायण लोग विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना करते हैं। बसंत पंचमी को देश-विदेश में मां महासरस्वती के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। छात्र-छात्राएं, शिक्षक, विद्वान, लेखक, साहित्यकार और कला जगत से जुड़े लोग इस दिन मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा, अर्चना और उपासना करते हैं। इस दिन मां सरस्वती के साथ-साथ भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण-राधा, भगवान शिव, सूर्यदेव, बसंत स्वरूप कामदेव और रति का भी पूजन किया जाता है। मान्यता है कि कामदेव-रति का पुष्पों और अबीर-गुलाल से पूजन करने से गृहस्थ जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

पीले रंग का इस दिन विशेष महत्व है। पीला रंग ओज, ऊर्जा, सात्विकता और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इसलिए पीले वस्त्र धारण करना, पीले वस्त्रों का दान करना और पीले रंग की मिठाइयां व पकवान ग्रहण करना शुभ माना गया है। बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, इसलिए इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, विद्यारंभ और अन्य मांगलिक कार्य संपन्न किए जाते हैं। कई क्षेत्रों में पतंगबाजी का उत्सव भी बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का जन्म भगवान ब्रह्मा के मुख से हुआ है। वे वाणी की अधिष्ठात्री देवी हैं और वागेश्वरी, वाग्देवी, भारती, ब्राह्मी, शारदा आदि नामों से जानी जाती हैं। हंस पर विराजमान, कुंद के समान उज्ज्वल वर्ण, चंद्रमा के समान मुखमंडल, मंद मुस्कान और मस्तक पर चंद्ररेखा से सुशोभित मां सरस्वती श्वेत कमल पर आसीन हैं। उनके हाथों में पुस्तक, वीणा, अक्षयमाला और अमृतमय घट सुशोभित हैं। मां सरस्वती समस्त विद्याओं की अधिष्ठात्री हैं। उनकी कृपा से ही प्राणी ज्ञान अर्जित करता है। उनका कलात्मक स्पर्श कुरूप को भी सुंदर बना देता है। वे अत्यंत दयालु और उदार हृदय वाली हैं, जिनमें असीम करुणा विद्यमान है।मां सरस्वती का विग्रह केवल पूजन का विषय नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का गहन संदेश भी देता है। उनके श्वेत वस्त्र यह सिखाते हैं कि हमारा ज्ञान और चरित्र दोनों निर्मल हों। कमलासन यह संदेश देता है कि संसार में रहते हुए भी झूठ, कपट, असंयम और कुसंग से दूर रहना चाहिए। श्रुतिहस्ता में धारण किया गया सद्ग्रंथ यह बताता है कि हमारे हाथों से वही कर्म हों जो सत्य और धर्म के अनुरूप हों। स्फटिक माला मनन और आत्मचिंतन की प्रेरणा देती है। वीणावादिनी मां यह संदेश देती हैं कि जीवन एकांगी न हो, बल्कि अपनी सुप्त योग्यताओं को जागृत कर सफलता के मधुर राग रचे जाएं। हंसवाहिनी मां विवेकशील बुद्धि और सद्गुणों को ग्रहण करने की शिक्षा देती हैं, जबकि निकट स्थित मयूर कला, मधुरता और समभाव का प्रतीक है। बसंत पंचमी मुख्यतः विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों का पर्व है। इस दिन प्रातः स्नान कर बसंती रंग के वस्त्र धारण कर कलश स्थापना के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा या चित्र की विधिवत पूजा की जाती है। पीले पुष्प, अक्षत, कुमकुम, फल, मिठाइयां और दीप-धूप अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धा और भक्ति से की गई पूजा से मां सरस्वती प्रसन्न होकर दुर्विचार और दुर्गुणों का शमन करती हैं तथा सत्य, अहिंसा, क्षमा, करुणा, प्रेम, बुद्धि, विद्या, वाणी और प्रतिभा का वरदान देती हैं।

पंचांग के अनुसार, माघ शुक्ल पंचमी तिथि की शुरूआत 22 जनवरी, गुरुवार के दिन रात में 2 बजकर 29 मिनट से होगी और इसका समापन 23 जनवरी, शुक्रवार को रात में 1 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार, बसंत पंचमी 23 तारीख को मनाई जाएगी और इसी दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाएगी। ऐसा करने से जातक के ज्ञान, कला और बुद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही, माता सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है। 23 जनवरी, शुक्रवार के दिन यानी बसंत पंचमी पर चंद्रमा का गोचर मीन राशि में होने जा रहा है। वहीं, चंद्रमा से चतुर्थ भाव में गुरु के होने से गजकेसरी का शुभ संयोग बन रहा है। ज्ञान के कारक गुरु की राशि में बैठकर चंद्रमा का गजकेसरी योग बनाना अत्यंत शुभ है। यह छात्रों के लिए उत्तम संयोग बना रहा है। बसंत पंचमी पर सुबह 8 बजकर 33 मिनट से लेकर 11 बजकर 13 मिनट का समय शिक्षा आरंभ के लिए सबसे उत्तम रहेगा। ऋतुराज बसंत और बसंत पंचमी हमें आशावादी, प्रफुल्लित और उत्साही बनने की प्रेरणा देते हैं। बसंत यह सिखाता है कि समय सदा एक-सा नहीं रहता। दुख और पीड़ा के बाद सुख और आनंद अवश्य आता है। प्रकृति की तरह मानव जीवन भी निरंतर परिवर्तनशील है, और हर परिवर्तन अपने साथ नई संभावनाएं लेकर आता है। बसंत ऋतु और मां सरस्वती की कृपा से जीवन ज्ञान, सौंदर्य, संतुलन और उल्लास से परिपूर्ण हो–यही इस पावन पर्व का संदेश है।

सरस्वती पूजा पर पाएं अखंड सौभाग्य

बसंत पंचमी हिंदुओं का एक प्रमुख पर्व है, जो माघ महीने में मनाया जाता है। यह पर्व वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है जो विद्या, बुद्धि और कला की देवी मानी जाती हैं। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनते हैं और पीले फूल व मिठाइयां अर्पित करते हैं। इस बार यह पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा। विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में विशेष पूजा होती है। किसान इस दिन नई फसल की खुशी मनाते हैं। बसंत पंचमी से प्रकृति में हरियाली और उत्साह का संचार होता है। बसंत पंचमी ज्ञान, विद्या, बुद्धि और रचनात्मकता की देवी माता सरस्वती को समर्पित होता है और यदि आप इस दिन कुछ विशेष चीजों का दान करना शुभ होता है। अगर आप राशि के अनुसार दान करती हैं तो इसके पूर्ण फल आपके जीवन में दिखाई देंगे। आइए आपको बताते हैं बसंत पंचमी के दिन किन चीजों का दान करना शुभ होता है।

मेष राशि

मेष राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं और यदि आप इस दिन माता सरस्वती की पूजा करने के साथ किसी जरुरतमंद को लाल वस्त्रों का दान करती है तो आपके लिए बहुत फलदायी माना जाता है। इस दिन माता सरस्वती को पीले या नारंगी फूल चढ़ाएं और जरुरतमंदों को लाल चीजों, लाल वस्त्रों, गुड़ और लाल धातु का दान करना श्रेष्ठ माना जाता है।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के स्वामी ग्रह शुक्र को माना जाता है। अगर आप बसंत पंचमी के दिन सफेद वस्त्र धारण करें और जरुरतमंदों को सफेद अनाज जैसे चावल, चीनी का दान करें और साथ ही जरुरतमंदों को सफेद वस्त्र दान करें। ऐसा करने से जीवन में शुभ फल मिलते हैं।

मिथुन राशि

इस राशि के लोगों को बसंत पंचमी के दिन हरी चीजों जैसे हरे अनाज का दान करना चाहिए। यदि इस दिन हरी मूंग दाल का दान करती हैं, यह आपके लिए अत्यंत फलदायी हो सकता है। यही नहीं आप हरे वस्त्रों का दान कर सकते हैं। यह आपके लिए काफी शुभ होगा।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातक को बसंत पंचमी के दिन सफेद अनाज या उससे बनीं चीजों का दान करना चाहिए। आप इस दिन चावल की खीर बनाकर उसका दान करें। आप इस दिन दूध, दही का दान भी कर सकती हैं जो आपके लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। यदि आप इस दिन जरुरतमंदों को सफेद वस्त्रों का दान करें तो यह भी काफी फलदायी माना जाता है।

सिंह राशि

सिंह राशि के लोगों को जरुरतमंदों को पीले फलों या मिठाई का दान करना चाहिए। इसके साथ ही आप इस दिन तांबे के बर्तनों का दान कर सकती हैं।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए बसंत पंचमी के दिन विशेष रूप से विद्या से जुड़ी वस्तुओं का दान करना शुभ माना जाता है। इस दिन यदि आप विद्यार्थियों को किताबें, पेन, पेंसिल या कॉपियां दान करें, तो इससे माता सरस्वती की कृपा प्राप्त होगी।

टिप्स

घर पर बनाएं गोभी मुसल्लम

सर्दियों के मौसम में सबसे ज्यादा साग और हरी सब्जियां खाई जाती है। इस सीजन में अत्यधिक पसंद की जाने वाली खरीदने वाली सब्जी में से एक है फूलगोभी। गोभी से लोग कई तरह-तरह की डिश बनाते हैं, चाहे वह भुजिया हो, कोफ्ता हो या फिर मिक्स वेज। इतना ही नहीं बल्कि गोभी के पराठे भी खूब मजे से खाते हैं। यदि आप भी रोजाना गोभी की पुरानी और साधारण रेसिपी बना-बनाकर थक गए हैं, तो इस बार गोभी मुसल्लम जरुर ट्राई करें। स्वाद तो मजेदार है इसकी रेसिपी भी काफी यूनिक है

गोभी मुसल्लम बनाने की रेसिपी

- सबसे पहले आप फूलगोभी को अच्छे से धो कर साफ कर लें। इसके बाद डंठल को अच्छे से काट कर निकाल दें।
- अब पैन में उतना पानी डालें, जितने में गोभी पूरी तरह डूब जाए।
- फिर नमक डालकर गोभी को गैस पर रखकर उबाल आने के लिए रखें।
- जब गोभी उबाल रही है तो इस बात का ध्यान रखें कि यह टूटे नहीं। आधे से ज्यादा पकने के बाद इसे बाहर निकालें।
- अब एक कड़ाही में सरसों का तेल डालकर गर्म करें।
- गर्म होने के बाद आंच कम कर उबली हुई गोभी को दोनों तरफ से उलट पलट कर फ्राई करें।
- जब गोभी गोल्डन ब्राउन हो जाएं तो इसे कड़ाही से बाहर निकालें।
- फिर प्याज, हरी मिर्च और टमाटर काट कर रखें। इसके बाद एक कटोरो में सारे मसाले, नमक, हल्दी, लहसुन का पेस्ट और हल्का सा पानी डाल कर पेस्ट बनाएं।
- इसके बाद कड़ाही में 2 चम्मच सरसों का तेल डालकर गर्म करें।
- फिर इसमें हींग डालकर कुछ देर तक पकाएं। इसके बाद तेजपत्ता और जीरा डालकर चटकने के लिए कुछ सेकंड के लिए छोड़ें।
- अब हरी मिर्च और कटे प्याज डालकर पकाएं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

स्कूल बस, टोटो, ऑटो से यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें : एमभीआई

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अवसर पर आज केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंज में सावधानी की पाठशाला के तहत सड़क सुरक्षा स्कूल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना एवं सुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित करना रहा। जबकि विद्यार्थियों के बीच क्विज प्रतियोगिता चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई सड़क सुरक्षा की भी शपथ दिलाई गई।विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग नशे की हालत में वाहन न चलाने व परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। वहीं एम.भी.आई. कुमार उत्कर्ष द्वारा स्कूल बस,टोटो,ऑटो से यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं हाथ-पांव बाहर न निकालने की हिदायत दी गई।कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में एम.भी.आई. कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गायत्री शक्तिपीठ में बारह घंटे का अखंड जाप संपन्न

साहिबगंज : अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा इस वर्ष बसंत पर्व को संकल्प दिवस के रूप में मनाने की तैयारी धूमधाम से की जा रही है। शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में गुरुवार को बारह घंटे का गायत्री अखंड जाप संपन्न किया गया। बताया गया कि शुक्रवार को सुबह नौ बजे शक्तिपीठ में ही सामूहिक संकल्प समारोह आयोजित किया गया है। इसकी तैयारी धूमधाम से की जा रही है। शक्तिपीठ संचालन समिति की मुख्य प्रभारी श्रीमती सरिता पोद्दार ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पूजनीय माता जी की जन्म जयंती तथा पूज्य गुरुदेव द्वारा स्थापित अखण्ड दीपक के सौ वर्ष पूरे होने पर अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा वर्ष 2026 को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक बारह घंटे का गायत्री अखंड जाप संपन्न किया गया जिसमें एक सौ पैतालीस श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। प्रभारी श्रीमती पोद्दार ने बताया कि इस शताब्दी वर्ष में हम सभी गायत्री परिवार के भाई बहनों को 40 दिवसीय अनुष्ठान करना आवश्यक है। इसलिए इसबार बसंत पर्व में शुक्रवार को शक्तिपीठ में सामूहिक संकल्प समारोह आयोजित किया गया है। अनुष्ठान में आधिकाधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी के लिए सघन संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए डॉक्टर दीपक कुमार विक्की कुमार सिंह रुद्र नारायण राजेंद्र प्रसाद करुणामई भारती अनीता देवी अन्नू गुप्ता चारु रानी रीना चौधरी मधु देवी आदि सहयोग कर रहे हैं।

डीसी ने विभागीय कार्यों और संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा स्थापना समिति प्राथमिक माध्यमिक जिला कार्यकारिणी शिक्षा समिति जिला स्तरीय स्टेयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की मासिक समीक्षा की गई।उपायुक्त ने विभागीय कार्यों और संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली व आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विद्यालयी व्यवस्थाओं शिक्षण गुणवत्ता व योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एलआईभी डाटा अपलोडिंग कार्य का आयोजन

साहिबगंज : दुर्घटना मामले के अनुसंधान पदाधिकारी आईओ देव नारायण साहु, थाना प्रभारी रोहित कुमार एवं मैनेजर मनोज कुमार एन आईसी, साहिबगंज) की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सटीक एवं त्वरित डिजिटल डेटा संकलन कर प्रभावी अनुसंधान, पारदर्शिता एवं त्वरित न्याय सुनिश्चित करना रहा।आईआर एएडी ईडीएआर प्रणाली के सफल क्रियान्वयन से सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

बसंत पंचमी के दिन बन रहा दुर्लभ संयोग मां सरस्वती की मिलेगी विशेष कृपा

सरस्वती पूजा कल तैयारी पूरी

संवाददाता

साहिबगंज : जिला सहित आसपास क्षेत्र में बसंत पंचमी को लेकर जिला सभी पूजा पंडालून का तैयारी बड़ा ही जोर शोर चल रही है माघ माह की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मां सरस्वती का जन्म हुआ था।इसलिए बसंत पंचमी को सरस्वती जन्मोत्सव के रूप में भी जाना जाता है।इसके अलावा बसंत पंचमी को श्री पंचमी और सरस्वती पूजा के नाम भी जाना जाता है। इस दिन विद्या और कला की देवी विधिपूर्वक पूजा करने से बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होती है। इस साल बसंत पंचमी का त्यौहार 23 जनवरी को मनाया जाएगा। इस कई दुर्लभ

संयोग भी बन रहा है। तो आइए जानते हैं बसंत पंचमी के दिन बनने वाले शुभ योग और मुहूर्त के बारे में।बसंत पंचमी के दिन चंद्रमा मीन राशि में प्रवेश करेंगे। साथ ही इस दिन चंद्रमा से चतुर्थ भाव में गुरु के होने से गजकेसरी का शुभ संयोग भी बन रहा है। गजकेसरी योग बहुत ही शुभ माना जाता है। इस योग में देवी सरस्वती की पूजा करने से छात्रों को उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। इसके अलावा 23 जनवरी यानी बसंत पंचमी के दिन बुधादित्य योग का विशेष योग भी बन रहा है। सूर्य और बुध की युति से बनने वाला बुधादित्य योग करियर, शिक्षा और व्यापार में तरक्की देने वाला माना जाता है। इसके अलावा बसंत पंचमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग में शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलती है।पंचांग के अनुसार माघ माह की पंचमी तिथि का आरंभ 23 जनवरी 2026 को 02:28 एएम पर होगा। पंचमी तिथि का समापन 24 जनवरी को 01:46 एएम पर होगा। बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 15 मिनट से दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा।सरस्वती पूजा के दिन लगाएं इन चीजों का भोग में बूंदी या बूंदी के लड्डू बेर, केला, संतरा, अनार और सेब,खीरपीली मिठाई
केसर भात,मीठे चावल का भोग लगाया जाता है।

बसंत पंचमी के दिन जरूर करें सरस्वती वंदना का पाठ

कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥१॥शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं। वीणा-पुस्तक -धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्॥हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्।
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्॥२॥ वहीं दूसरी ओर बसंत पंचमी सरस्वती पूजा को लकर
जिला प्रशासन का भी पूरी तरह तैयारी पूरी कर ली है किसी भी घटना को निपटाने के लिए पुलिस प्रशासन हरदम तैयार रहेगी।

दुकान में लगाई आग लाखों का नुकसान

संवाददाता

साहिबगंज : बीते रात्रि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बड़ी कोर्जाजनना चौक पर बुधवार की रात करीब 10:45 बजे में एक चायझराशन दुकान में आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा करीब ₹5,000 नगद सहित लगभग ₹5 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। वहीं, पास में स्थित एक नाश्ता दुकान भी आग की चपेट में आ गई।जिससे करीब ₹1 से ₹1.5 लाख रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ है। पीड़ित दुकानदार शशि कुमार बर्नवाल, निवासी पटवारटोला, ने बताया कि वह बड़ी कोर्जाजनना चौक पर चाय-राशन की दुकान चलाते हैं। रोज की तरह बुधवार की रात करीब 8:30 बजे दुकान बंद कर ताला लगाकर घर चले गए थे। कुछ घंटे बाद पास की एक महिला ने दुकान के अंदर आग की लपटें देखीं और शोर मचाया। इसके बाद किसी व्यक्ति द्वारा उन्हें

घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही शशि कुमार बर्नवाल अपने पिता कार्तिक बर्नवाल और भाई सुमन बर्नवाल के साथ मौके पर पहुंचे जहां देखा कि गुमटी के अंदर रखा सारा सामान जल चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत से आग पर आंशिक रूप से काबू पाया गया। इसके बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग को पूरी तरह बुझाया और आसपास के घरों व दुकानों को आग की चपेट में आने से बचाया। यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मुफ्फसिल थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आग लगाने वालों की पहचान और घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

राजमहल जेल में कैदी ने की आत्महत्या की कोशिश इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मौत

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल हत्या के एक मामले में सजा काट रहे कैदी ने राजमहल जेल में आत्महत्या का प्रयास जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान मंसूर शेख के रूप में हुई है,जो पिछले पांच वर्षों से जेल में बंद था।बुधवार को मंसूर शेख ने जेल के भीतर फांसी लगाकर अपनी जान देने की कोशिश की।घटना की भनक लगते ही वार्ड में बंद अन्य कैदियों ने जेल प्रशासन को सूचना दी।इसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे इलाज के लिए राजमहल सब-डिवीजनल अस्पताल पहुंचाया हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर उपचार के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार,मंसूर शेख राधानगर थाना क्षेत्र के चामा सत्तारटोला का निवासी था।वर्ष

2020 में उसने अपने ही भाई अख्तर शेख की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी।इस मामले में राधानगर थाना में कांड संख्या 167/20 दर्ज है।आरोप है कि इस वारदात में अन्य लोगों को भी घायल किया गया था।मृतक की भाभी जहांनूर बेबा की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।जांच में यह बात सामने आई थी कि दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था।आपसी रंजिश के चलते ही मंसूर शेख ने अपने भाई की हत्या की थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।घटना को लेकर राजमहल सब-डिवीजनल अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ.उदय टुडू ने बताया कि कैदी की हालत अत्यंत नाजुक थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया,लेकिन चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।जेल में हुई इस घटना ने एक बार फिर बंदियों की मानसिक स्थिति और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा स्नातक (यूजी) सेमेस्टर-5 ओल्ड कोर्स परीक्षा के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यूजी सेमेस्टर-5 (सीबीसीएस) के विद्यार्थी दिनांक 22 से 26 जनवरी 2026 तक बिना किसी विलंब शुल्क के ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। इसके उपरांत ₹200/- विलंब शुल्क के साथ 27-28 जनवरी 2026 तक तथा ₹500/- विलंब शुल्क के साथ 29 से 30 जनवरी 2026 तक परीक्षा फॉर्म भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, परीक्षा प्रारंभ होने की तिथि से सात दिन पूर्व तक विद्यार्थी केवल ऑनलाइन माध्यम से ₹1000/- विलंब शुल्क के साथ भी परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंज : जिला उद्यान कार्यालय, साहिबगंज द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत जेएस एलपीएस के अभिसरण से चयनित किसान दीदियों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन बरहरवा प्रखंड के बड़ागरग्राम में दीप प्रज्वलन कर बरहरवा के बीपीएम फैज आलम व उद्यान विभाग के प्रेम पासवान द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में बरहरवा प्रखंड की 60 तथा तालझारी प्रखंड की 40 किसान दीदियाँ सहभागिता कर रही हैं। प्रशिक्षण में बीपीएम फैज आलम ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से दीदियों को फल, सब्जी, फूल, मसाले एवं औषधीय पौधों की उन्नत खेती से संबंधित आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही पौधारोपण तकनीक, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई, नर्सरी विकास, शेडनेट एवं पॉलीहाउस जैसी गतिविधियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस के माध्यम से महिला समूहों को तकनीकी ज्ञान, क्षमता संवर्धन एवं बाजार से जोड़कर उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें। जबकि किसान दीदियों से अपील की गई कि वे इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाकर बागवानी आधारित आजीविका गतिविधियों को अपनाएँ।मौके पर जेएसएलपीएस बरहरवा के सीसी श्री अंशुमन कुमार, आईएफसी एंकर सुश्री सुनीता मरांडी सहित अन्य किसान दीदियाँ एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मैराथन दौड़ में छात्रों में दिखा उत्साह

संवाददाता

साहिबगंज : संत जेवियर स्कूल इंग्लिश मीडियम का वार्षिक खेल कूद समारोह से पूर्व बुधवार सुबह को शहर के जीरवाबाड़ी पेट्रोल पंप से सीनियर बालक वर्ग ओर सुभाष चौक समीप से बालिका वर्ग का मैराथन दौड़ का आयोजन किया।फादर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।मैराथन दौड़ में वर्ग तीन से लेकर वर्ग 12वी तक के लगभग 400 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।सीनियर वर्ग में प्रथम निशांत मरांडी वर्ग सात,द्वितीय चंद्रदेव मुर्मू वर्ग 11,तृतीय मो फैसल वर्ग आठ हुआ।वही बालिका वर्ग में प्रथम मिचेल फ्रैंकलिन वर्ग सात ए,द्वितीय एस्थर जेनिफर मुर्मू वर्ग सात डी,तृतीय नैंसी किस्कू वर्ग नौ बी ने बाजी मारी।वही प्राइमरी सेक्शन में प्रथम आकांक्षा कुमारी वर्ग चार,द्वितीय संगीता कुमारी इक्का कक्षा तीन,तृतीय सादिका तोड़ी वर्ग तीन हुआ।जूनियर बालक वर्ग में प्रथम अमन मुर्मू कक्षा चार,द्वितीय मेघानंद उरांव कक्षा पांच,तृतीय जोएल हंसदा कक्षा चार ने बाजी मारी।मौके पर फादर प्रिंसिपल अरुल दोस सहित दर्जनों शिक्षक शिक्षिकाएं,अभिभावक उपस्थित थे।

भड़काऊ व फूहड़ गाना बजाने पर सख्त कार्रवाई होगी : अमित

संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना,जिरवाबाड़ी थाना व मुफस्सिल थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर बुधवार को शांति समिति की बैठक हुई।इस दौरान किसी भी समुदाय के लोगों के खिलाफ कोई भी भड़काऊ गाना या फूहड़ गाना बजाने पर सख्त कार्रवाई करने सोशल मीडिया में कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट करने पर ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई करेंगे।असमाजिक तत्वों से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम की बात कही गई।सौहार्द पूर्ण वातावरण बनाये रखने में एक दूसरे का और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई।बैठक में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की,नगर इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता,थाना प्रभारी शशि सिंह मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

नगर निकाय निर्वाचन को लेकर कोषांगों की हुई समीक्षा

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में आगामी नगर निकाय निर्वाचनझ2026 की तैयारी को लेकर गठित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी, सहायक नोडल पदाधिकारी एवं निवार्ची पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त श्री सचान ने एक-एक कर सभी कोषांगों के दायित्वों एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा निर्वाचन कार्य को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं ससमय संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कोषांग में प्रतिनियुक्त

पदाधिकारियों एवं कर्मियों को समय रहते प्रशिक्षण प्रदान करें तथा आवश्यक मानव संसाधन (मैनपावर) का समुचित आकलन कर लें।

उप विकास आयुक्त श्री सचान ने मतपेटिकाओं की रंगाई-पुताई एवं निर्वाचन के लिए आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता का आकलन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं वाहन कोषांग को निर्वाचन कार्य हेतु आवश्यक वाहनों का आकलन कर ससमय आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ करने को कहा गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ में नगर निकाय निर्वाचन आयोजित किया जाना है, जिसे लेकर सभी कोषांग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी तैयारियाँ पूर्ण करें। बैठक में निर्वाचन से जुड़े सभी पदाधिकारियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

'भाबी जी घर पर हैं...' का पहला पोस्टर रिलीज

जानिए थिएटर में कब दस्तक देगी चर्चित सीरियल पर बनीं फिल्म

सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' के फैंस के लिए खुशखबर है। अब यह सीरियल, फिल्म के रूप में बड़े आ रहा है। फिल्म 'भाबी जी घर पर हैं' का पहला पोस्टर और रिलीज डेट सामने आ चुकी है। सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' टीवी पर कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। अब इस सीरियल के किरदार और कहानी को दर्शक बड़े पर्दे पर फिल्म के रूप में देखेंगे। जानिए, कब रिलीज हो रही है ये फिल्म?

फिल्म में नए किरदारों की भी हुई एंट्री

सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे, रोहताश गौर जैसे एक्टर्स नजर आते थे। यह सभी फिल्म का भी हिस्सा हैं। वहीं फिल्म में रवि किशन, मुकेश तिवारी जैसे उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में सभी एक्टर्स नजर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'भाबी जी घर पर हैं' की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह फिल्म अगले महीने वैंलटाइन डे से पहले रिलीज होगी। इस फिल्म की रिलीज डेट 6 फरवरी है। पोस्टर रिलीज के साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा है, 'गली गली में होगा शोर, क्योंकि भाबी जी की सवारी निकल पड़ी है थिएटर की ओर।'

क्या है 'भाबी जी घर पर हैं' की स्टोरी लाइन?

सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' की कहानी में कानपुर के मोहल्ले में दो कपल्स का जोड़ा रहता है। सीरियल में जो पुरुष हैं, वह एक-दूसरे की पत्नियों को पसंद करते हैं। इस ट्रैक पर ही सीरियल चलता है। सीरियल में कॉमेडी जमकर होती है। कई अजब-गजब किस्म के किरदार इसमें नजर आते हैं। यह सीरियल कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है।

आज के दर्शकों की पहली पसंद बन चुकी हैं फैंटेसी फ़िल्में - सूरज सिंह

भारतीय सिनेमा में धीरे-धीरे अपनी जगह बना चुकी फैंटेसी फिल्मों ने आज उन दर्शकों के बीच अपनी पैठ बना ली है, जो सिनेमाघरों में भव्य अनुभव की तलाश में है। फैंटेसी उन्हें भाषा की सीमाओं से परे स्केल, भावनाओं और विजुअल स्टोरीटेलिंग का खूबसूरत संगम देती है। अगर यह कहें तो गलत नहीं होगा कि भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित और आधुनिक कल्पना से सजी यह जॉनर अब फिल्ममेकर्स के लिए सबसे फ्यूचर-फेसिंग विकल्प बन चुकी है। इस संदर्भ में बीलाइव प्रोडक्शन के मालिक और फैंटेसी फिल्म 'राहु केतु' के निर्माता सूरज सिंह का कहना है कि बड़े स्तर की फैंटेसी जॉनर की फिल्मों के लिए इससे बेहतर समय आ ही नहीं सकता। उनके अनुसार, भारतीय दर्शक अब फैंटेसी फिल्मों को अपनाने में झिझकते नहीं हैं, खासकर तब, जब ये कहानियाँ परिचित पौराणिक और सांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ी हों। हालांकि आज बेहद मजबूती से दर्शकों से जुड़ते जा रहे फैंटेसी फिल्मों पर अपनी बात रखते हुए सूरज सिंह कहते हैं, 'फैंटेसी और पौराणिक कथाएँ भारत में हमेशा से काम करती रही हैं, लेकिन आज उसका स्केल बदल चुका है। दर्शक 'रामायण' और 'नागज़िला' जैसी फिल्मों का इंतज़ार कर रहे हैं, क्योंकि वे भावनाओं के साथ भव्यता भी चाहते हैं। 'राहु केतु' की रिलीज़ के साथ शुरू हो रहे साल ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारतीय फैंटेसी कितना आगे जा सकती है। साथ ही वीएफएक्स और कल्पना की ताक़त ने अब हमें अपनी कहानियों को उसी रूप में पेश करने का मौका दिया है, जैसा हम हमेशा से सोचते आए हैं और हो भी क्यों न, जब तकनीक विश्वास का साथ देती है, तो दर्शक पूरी तरह कहानी में डूब जाते हैं। गौरतलब है कि इस साल रिलीज़ के लिए तैयार 'रामायण' और 'नागज़िला' जैसी फिल्मों को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, जो स्पेक्टेकल-ड्रिवन स्टोरीटेलिंग के प्रति दर्शकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। वहीं, साल की शुरुआत 'राहु केतु' जैसी फैंटेसी फिल्म से होना, भारतीय फैंटेसी सिनेमा को लेकर दर्शकों की उम्मीदों को और ऊँचा ले जाता है।

'ओ रोमियो' का फर्स्ट लुक आया सामने

खूंखार अंदाज में दिखे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर एक बार फिर खूंखार अंदाज में नजर आने वाले हैं। उनकी मच अवेटेड फिल्म 'ओ रोमियो' से उनका पहला लुक सामने आया है। शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'ओ रोमियो' का फर्स्ट लुक आज सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर 'कमीने' जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म की झलक पाने के लिए बेकरार थे।

अब शाहिद कपूर के इस पहले पोस्टर को ही देखकर फैंस उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर में शाहिद का खूंखार अंदाज तो दिख ही रहा है, जिसमें उनके हाथ पर बना टैटू और कई ब्रेसलेट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद एक और विशाल भारद्वाज मिलकर एक बार फिर कुछ अलग और नया करने वाले हैं।

नायरा बनर्जी ने बताया

कैसे एक वीडियो कॉल ने बदल दी उनकी फिल्मी दुनिया

अभिनेत्री नायरा बनर्जी अपनी आने वाली फिल्म 'वन टू चा चा चा' को लेकर काफी चर्चाओं में है। यह फिल्म कॉमेडी, अफरातफरी और किरदारों से भरपूर मनोरंजन का जबरदस्त पैकेज है। इस फिल्म में अभिनेता आशुतोष राणा लीड रोल में हैं। को दिए इंटरव्यू में नायरा बनर्जी ने अपनी फिल्म, अनुभव और अभिनय सफर के बारे में खुलकर बात की। से बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, 'फिल्म की कहानी सुनते ही मैंने तुरंत इसका हिस्सा बनने की ठान ली थी। निर्देशक और लेखक अभिषेक ने मुझे वीडियो कॉल के जरिए पूरी कहानी सुनाई। उस समय मैं दुबई में थी, उन्होंने करीब दो घंटे तक कहानी इतनी ऊर्जा, भाव और उत्साह के साथ सुनाई कि मेरे होश उड़ गए। मुझे कहानी की हर बारीकी और भावना को समझाया। उसी वक्त मैंने तय कर लिया कि मुझे यह फिल्म करनी है।' फिल्म के कास्ट के बारे में नायरा बनर्जी ने कहा, ''जब मैंने जानना चाहा कि कौन-कौन इसमें काम कर रहा है, तो मेरे लिए सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम आशुतोष राणा था, जो 'चाचा' के रोल में थे। मैंने उन्हें हमेशा गंभीर और सशक्त किरदारों में देखा है; ऐसे में इस नई भूमिका में उन्हें देखना बिल्कुल नया और ताजगी भरा अनुभव लगा।'' उन्होंने कहा, ''मुकेश तिवारी, अभिमन्यु सिंह, आनंद जोशी, ललित प्रभाकर और हर्ष मायर जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना चुनौतीपूर्ण लेकिन सीखने वाला रहा। मेरे ज्यादातर सीन अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा के साथ थे, जिनके सामने अपनी एक्टिंग बनाए रखना आसान नहीं था। नायरा बनर्जी ने अपने किरदार की खासियत के बारे में बताते हुए कहा, ''शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे डांस करने का मौका मिला। मेरा डांस शेड्यूल कई दिनों तक चला। फिल्म का यह गाना 'इश्क ढिशूम' अब ट्रेंड कर रहा है और लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसका ऐसा जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलेगा। नायरा बनर्जी ने आशुतोष राणा के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती बिहारी एक्सेंट था। मैंने पहले ऐसा रोल कभी नहीं किया था। लेकिन आशुतोष के साथ रोमांटिक सीन करते समय उस

मेंस हीरो एचआईएल क्वालिफायर 1 प्रीव्यू: फाइनल का टिकट दांव पर, वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रॉयल्स आमने-सामने

एजेंसी

भुवनेश्वर : मेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025झ्र26 के क्वालिफायर 1 में रोमांच चरम पर होगा, जब लीग चरण की शीर्ष दो टीमें वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रॉयल्स 23 जनवरी को कलिंगा हॉकी स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। शाम 5 बजे (क्रळ) से शुरू होने वाले इस अहम मुकाबले में जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी। लीग चरण में वेदांता कलिंगा लांसर्स ने 16 अंकों के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया, जबकि रांची रॉयल्स 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इसी के चलते दोनों टीमों को क्वालिफायर 1 में भिड़ने का मौका मिला है।

वेदांता कलिंगा लांसर्स: लीग चरण में दबदबा

वेदांता कलिंगा लांसर्स का लीग चरण में प्रदर्शन बेहद मजबूत और संतुलित रहा। टीम को सात मैचों में सिर्फ एक हार का सामना करना पड़ा, वह भी अपने आखिरी लीग मुकाबले में, जब उन्हें जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब से 2-1 से हार मिली। हालांकि, इस हार का उनकी क्वालिफायर स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा। लांसर्स ने लीग में चार मैच नियमित समय में जीते, जबकि दो मुकाबले शूटआउट में अपने नाम किए। मजबूत डिफेंस उनकी सबसे बड़ी ताकत रही, जहां उन्होंने पूरे टूनामेंट में सिर्फ 8 गोल गंवाए, जो किसी भी टीम से सबसे कम हैं। बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स टीम के लिए सबसे अहम खिलाड़ी साबित हुए हैं। उन्होंने अब तक सभी 8 गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए हैं। इसके अलावा, लांसर्स का पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन रेट 28.1 प्रतिशत रहा है, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ है।

क्वालिफायर 1 से पहले टीम के कप्तान आर्थर वैन डोरेन ने कहा,

हमने पूरे सीजन कड़ी मेहनत की है और अब सबसे अहम मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य है। हमें रांची रॉयल्स की आक्रमण क्षमता का अंदाजा है, लेकिन हमें अपने डिफेंस और सेट पीस पर पूरा भरोसा है। भुवनेश्वर का माहौल हमेशा हमें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और हम अपने समर्थकों को जीत का तोहफा देना चाहेंगे।

रांची रॉयल्स: आक्रमण में जबरदस्त ताकत

रांची रॉयल्स इस सीजन की सबसे आक्रामक टीमों में से एक रही है। टीम ने अब तक कुल 25 गोल दागे हैं, जो लीग में सबसे ज्यादा हैं। रॉयल्स की आक्रमण पंक्ति की अगुवाई कप्तान टॉम बून कर रहे हैं, जो 15 गोल के साथ टूनामेंट के टॉप स्कोरर हैं। इनमें 5 फील्ड गोल, 8 पेनल्टी कॉर्नर और 2 पेनल्टी स्ट्रोक शामिल हैं। लीग चरण में रांची रॉयल्स ने तीन मैच नियमित समय में और एक मुकाबला शूटआउट में जीता, जबकि दो मैच नियमित समय में और एक शूटआउट में गंवाया। क्वालिफायर 1 से पहले रांची रॉयल्स के कप्तान टॉम बून ने कहा,ह्लक्वालिफायर 1 जैसे मैच हर खिलाड़ी के लिए खास होते हैं। हमने लीग चरण में शानदार हॉकी खेली है, खासकर आक्रमण में। लांसर्स जैसी टीम के खिलाफ संयम और सही क्रियान्वयन बेहद जरूरी होगा। हमें अपनी टीम और खेल शैली पर भरोसा है और हम भुवनेश्वर में इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हेड-टू-हेड में लांसर्स आगे

लीग चरण में दोनों टीमों के बीच इस महीने चेन्नई में एक मुकाबला खेला गया था, जिसमें वेदांता कलिंगा लांसर्स ने 4-2 से जीत दर्ज की थी। उस मैच में रांची रॉयल्स ने टॉम बून और मनदीप सिंह के गोल से शुरूआती बढ़त बनाई थी, लेकिन इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने दो गोल किए, जबकि गुरसाहिबजीत सिंह ने भी दो गोल दागकर लांसर्स को शानदार जीत दिलाई। यह जीत लांसर्स को मनोवैज्ञानिक बढ़त जरूर देती है, लेकिन रांची रॉयल्स भुवनेश्वर में पासा पलटने की कोशिश करेगी।

फाइनल का रास्ता

क्वालिफायर 1 का विजेता सीधे 26 जनवरी को होने वाले मेंस हीरो एचआईएल फाइनल में प्रवेश करेगा। वहीं, हारने वाली टीम को एक और मौका मिलेगा और वह 25 जनवरी को खेले जाने वाले क्वालिफायर 2 में एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम से भिड़ेगी। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में दोनों टीमें फाइनल का टिकट हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी, जिससे भुवनेश्वर के दर्शकों को एक यादगार हॉकी मुकाबला देखने को मिल सकता है।

यूईएफए चैंपियंस लीग: लोपेज के दो गोल, बार्सिलोना ने स्लाविया प्राग को 4-2 से हराया

प्राग : यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार देर रात बेहद ठंडे मौसम के बीच खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने शानदार वापसी करते हुए स्लाविया प्राग को 4-2 से मात दी। फर्मिन लोपेज ने दो गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में दानी ओल्मो और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

इस जीत के साथ बार्सिलोना 13 अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है। टीम के अभी एक मैच बाकी है और वह शीर्ष आठ में जगह बनाकर सीधे अंतिम-16 में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं स्लाविया प्राग सिर्फ तीन अंकों के साथ तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर है।

प्राग में माइनस आठ डिग्री सेल्सियस के कड़ाके की ठंड वाले माहौल में स्लाविया प्राग ने शानदार शुरूआत की। 10वें मिनट में कॉर्नर से बनाए गए एक बेहतरीन मूव पर टोमास होलेस ने गेंद को पास पोस्ट से फॉर पोस्ट की ओर बढ़ाया, जहां फ्रेंकी डी यॉन्ग के दबाव के बीच वासिल कुसेय ने गेंद को लाइन के पार पहुंचा दिया।

बार्सिलोना ने 34वें मिनट में बराबरी हासिल की। फर्मिन लोपेज ने बॉक्स के अंदर से तेज कोण से शानदार शॉट लगाया, जो हल्के डिफ्लेक्शन के बाद गोलकीपर जिन्द्रिच स्टानेक को चकमा देते हुए पास पोस्ट से गोल में चला गया।

लोपेज ने 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल करते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिला दी। बॉक्स के किनारे से लगाए गए सटीक शॉट ने सीधे निचले दाएं कोने में जगह बनाई और स्टानेक के पास बचाव का कोई मौका नहीं रहा।

हालांकि बार्सिलोना की यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। दो मिनट बाद ही एक दुर्भाग्यपूर्ण क्षण में स्लाविया प्राग ने बराबरी कर ली। कॉर्नर का बचाव करते समय रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के कंधे से गेंद टकराकर खुद ही गोल में चली गई और पहला हाफ 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया और लगातार हमले किए। राफिन्हा, पेद्री और लोपेज को अच्छे मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। 64वें मिनट में सब्स्टीट्यूट के रूप में आए दानी ओल्मो ने शानदार गोल दागते हुए बॉक्स के बाहर से जबरदस्त शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया।

70वें मिनट में लेवांडोव्स्की ने अपने पहले किए गए आत्मघाती गोल की भरपाई करते हुए टीम की जीत पर मुहर लगा दी। दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने बाईं ओर से तेज दौड़ लगाकर शानदार क्रॉस दिया। लेवांडोव्स्की पहले गेंद को नियंत्रित नहीं कर पाए, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने गेंद को गोलकीपर के पास से निकालकर नेट में डाल दिया। मैच के बाद फर्मिन लोपेज ने कहा, हमें पता था कि इतनी ठंड में मुकाबला मुश्किल होगा। उन्होंने हम पर काफी दबाव बनाया। मेरे पैर और हाथ तक सुन्न हो गए थे, लेकिन हमने वापसी की और जीत हासिल की।

सऊदी प्रो लीग 2025-26: रोनाल्डो के निर्णायक गोल से अल नसर ने दमाक को 2-1 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली : अब्हा स्थित प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुल अजीज स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए सऊदी प्रो लीग 2025-26 के मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के निर्णायक गोल की बदौलत अल नसर ने दमाक को 2-1 से मात दी। अल नसर के लिए मुकाबले का पहला गोल अब्दुलरहमान घरीब ने किया, जबकि रोनाल्डो ने बढ़त को दोगुना किया। दमाक की ओर से जमाल हारकस ने एकमात्र गोल दागा। इस जीत के साथ अल नसर तालिका में शीर्ष पर काबिज अल हिलाल से अस्थायी रूप से चार अंक पीछे है। वहीं, दमाक को अब भी सीजन की दूसरी जीत का इंतजार है और टीम 15वें स्थान पर बनी हुई है, जो रेलीगेशन जोन से सिर्फ एक पायदान ऊपर है। अल हिलाल गुरुवार को अल फैहा की मेजबानी करेगा। पिछले पांच मैचों में सिर्फ चार अंक जुटाने के बाद अल नसर इस मुकाबले में शुरूआत से ही आक्रामक नजर आया। इसका फायदा टीम को पांचवें मिनट में मिला, जब किंग्सले कोमान ने दाईं ओर से गेंद को गोल लाइन तक ले जाकर कट-बैक पास दिया। डिफ्लेक्शन के बाद गेंद घरीब के पास पहुंची और 28 वर्षीय खिलाड़ी ने बाएं पैर से शॉट का फेक देकर गेंद को निचले बाएं कोने में डालते हुए टीम को बढ़त दिला दी।

पांच मिनट बाद ही रोनाल्डो के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, जब उन्होंने जोआओ फेलिक्स के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाया, लेकिन गेंद सीधे गोलकीपर के पास चली गई। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में फेलिक्स को लगातार दो मौके मिले, लेकिन एक शॉट उनके पैर से ऊपर निकल गया, जबकि दूसरे प्रयास में क्रॉसबार आड़े आ गया।

दूसरे हाफ में भी अल नसर ने वही आक्रामक रवैया बरकरार रखा और शुरूआत के पांच मिनट बाद ही रोनाल्डो ने सीजन का अपना 16वां गोल दाग दिया। जोआओ फेलिक्स के पास पर 41 वर्षीय रोनाल्डो ने तंग कोण से पहली ही टच में गेंद को जाल में पहुंचा दिया। मैच के नियमित समय के आखिरी 20 मिनट से थोड़ा पहले दमाक ने वापसी की कोशिश की। कॉर्नर से आए क्रॉस पर बिना मार्क किए खड़े जमाल हारकस ने गेंद को गोल में डालकर अंतर कम किया। हालांकि यह गोल दमाक के लिए काफी नहीं साबित हुआ और अल नसर ने बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस तरह अल नसर ने तीन अहम अंक हासिल करते हुए खिताबी दौड़ में खुद को बनाए रखा।

दिल्ली के राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में गूंजेगा 'वंदे मातरम' का उद्घोष

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय इस बार गणतंत्र दिवस परेड में ह्यवंदे मातरम के 150 वर्षह्न विषय पर अपनी विशेष झांकी प्रस्तुत करेगा। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार यह झांकी राष्ट्रीय गीत को भारत की सभ्यतागत स्मृति, सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक निरंतरता की एक जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में दुनिया के सामने रखेगी। मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा, ₹भारत की झांकियां केवल औपचारिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्र की सभ्यतागत स्मृति के चलते-फिरते अभिलेख हैं। संस्कृति गणराज्य का केवल अलंकरण मात्र नहीं, बल्कि उसकी जीवंत आत्मा है।₹ उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां अन्य झांकियां उपलब्धियां दिखाती हैं, वहीं संस्कृति मंत्रालय विचारों और

ऐतिहासिक अनुभवों को एक साझा दृश्य भाषा में पिरोता है। अग्रवाल ने वंदे मातरम् के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल एक रचना नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक शक्ति है। अरबिंदो ने भी इसे सामूहिक चेतना जगाने वाला मंत्र माना था। 'सुजलाम्-सुफलाम्' के भाव के साथ इस गीत ने राष्ट्र को 'माता' के रूप में कल्पित किया और औपनिवेशिक काल में भारतीयों के भीतर आत्मसम्मान और साहस का संचार किया। इस दौरान झांकी के अग्र भाग पर वंदे मातरम् की मूल पांडुलिपि को प्रदर्शित किया जाएगा। झांकी के साथ देश के चारों दिशाओं से आए लोक कलाकार भारत की विविधता को प्रदर्शित करेंगे। ?वर्ष 2021 से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) को इस झांकी की परिकल्पना और निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि यह झांकी किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा, ₹गणतंत्र दिवस 2026 की यह प्रस्तुति स्वतंत्रता संग्राम की गूँजों को वर्तमान के दायित्वों और भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ने का एक प्रयास है। वंदे मातरम् अब केवल एक गीत नहीं, बल्कि सशक्त भारत की अखंडता का उद्घोष बनकर उभरेगा। डॉ. जोशी ने कहा कि 150 वर्षों की इस यात्रा के माध्यम से संस्कृति मंत्रालय राष्ट्रीय गीत को एकता और शाश्वत चेतना के प्रतीक के रूप में पुनः स्थापित करना चाहता है। यह झांकी देशवासियों को न केवल आजादी की याद दिलाएगी, बल्कि उसके योग्य बने रहने का आह्वान भी करेगी।

नूरपुर पुलिस ने दो मामलों में की 438 ग्राम चरस बरामद, 2 गिरफ्तार

धर्मशाला : पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के खिलाफ चलाये गये अभियान के अन्तर्गत दो अलग अलग मामलों में 438 ग्राम चरस की बड़ी खेप बरामद की है। पहले मामले में पुलिस थाना ज्वाली के अन्तर्गत ढन में गश्त के दौरान रोहित उर्फ कृष्ण पुत्र सुभाष चन्द गांव ढन डाककघर मतलाहड तहसील ज्वाली जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान की तलाशी के दौरान 262 ग्राम चरस बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस थाना नूरपुर के अन्तर्गत मुकाम जाच्छ में गश्त के दौरान दीवान चन्द पुत्र हीरु राम गांव जमाला शरची तहसील बन्जार जिला कुल्लू के रिहायशी टीन नुमा शैड की तलाशी के दौरान 176 ग्राम चरस बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। एसपी नूरपुर कुलभूषण वर्मा ने बताया कि उपरोक्त दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना ज्वाली व नूरपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को गिरफतार करके आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान जन आंदोलन बना : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्न अभियान के 11 वर्ष भारत की सामाजिक चेतना में आए सकारात्मक परिवर्तन के सशक्त प्रतीक हैं। यह अभियान आज एक सरकारी योजना से आगे बढ़कर जन-आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। इसने सामाजिक दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन लाते हुए बेटियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर गुरुवार को पोस्ट करते हुए कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं। वे खेल के मैदानों में पदक जीत रही हैं, विज्ञान और तकनीक में नवाचार कर रही हैं, कॉर्पोरेट जगत में नेतृत्व कर रही हैं और सीमाओं पर देश की रक्षा में तैनात

हैं। शिक्षा से लेकर उद्यमिता तक बेटियों की बढ़ती भागीदारी नए भारत की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने नारी शक्ति के सशक्तीकरण और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रधानमंत्री का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बेटियों की यही सफलता और स्वावलंबन विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा। उल्लेखनीय है कि 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्न अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के घटते लिंगानुपात की समस्या को दूर करना, उन्हें शिक्षित करना और सशक्त बनाना है।

सरस्वती पूजा को लेकर तैयारियां जोरों पर बसंत पंचमी से पहले बाजारों में रौनक

एजेंसी

पटना : बसंत पंचमी के अवसर पर होने वाली सरस्वती पूजा को लेकर जिले भर में उत्साह का माहौल है। पूजा की तैयारियों में युवा पूरी तरह जुटे हुए हैं, वहीं कारीगर दिन-रात मूर्तियों के निर्माण में व्यस्त नजर आ रहे हैं।

शहर के विभिन्न इलाकों में स्थित मूर्ति निर्माण केंद्रों पर देवी सरस्वती की आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कारीगर पारंपरिक शिल्प के साथ आधुनिक रंग-रूप का समन्वय करते हुए मूर्तियां तैयार कर रहे हैं।

कारीगरों का कहना है कि इस वर्ष पर्यावरण अनुकूल मूर्तियों की मांग बढ़ी है, जिसे देखते हुए मिट्टी और प्राकृतिक रंगों का अधिक उपयोग किया जा रहा है। दूसरी ओर, पूजा समितियों और आम लोगों द्वारा मूर्तियों की खरीदारी भी

तेज हो गई है। बाजारों में मूर्तियों के साथ-साथ पूजा सामग्री, सजावटी सामान और वस्त्रों की दुकानों पर भी भीड़ देखी जा रही है। इधर, पूजा पंडालों के निर्माण का कार्य भी अंतिम चरण में है। विभिन्न मोहल्लों और शिक्षण संस्थानों में पंडालों को आकर्षक रूप देने के लिए सजावट की जा रही है। समितियों के सदस्य तैयारियों को समय पर पूरा करने में जुटे हैं, ताकि वसंत पंचमी के दिन श्रद्धालु पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर सकें। कुल मिलाकर, सरस्वती पूजा और बसंत पंचमी को लेकर जिले में उल्लास और भक्ति का वातावरण बना हुआ है।

एसजीपीजीआई के चिकित्सकों ने कॉक्लियर इम्प्लांट कर युवक की श्रवण शक्ति लौटायी

एजेंसी

लखनऊ : चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व नवाचार करते हुए संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) लखनऊ के चिकित्सकों की एक टीम ने एक ऐसे युवक पर सफलता पूर्वक अत्याधुनिक कॉक्लियर इम्प्लांट किया है, जिसने एक भीषण सड़क दुर्घटना में अपनी श्रवण शक्ति पूरी तरह खो दी थी। 23 वर्षीय युवक को चोट के बाद दोनों कानों मे गंभीर श्रवण हानि हुई थी, जिसमें उसका बायां भीतरी कान पूरी तरह से नष्ट हो गया था और दायां कान फ्रैक्चर हो गया था। चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर के प्रोफेसर रमनदीप के परामर्श से दाहिने कान की स्थिति की पुष्टि करने के लिए एक विशेष नैदानिक परीक्षण किया गया। इसके बाद सर्जरी का मार्ग प्रशस्त हुआ। एसजीपीजीआई, लखनऊ की न्यूरोऑटोलॉजी टीम ने डॉ. एम. रवि शंकर के नेतृत्व में, जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में जटिल कॉक्लियर इम्प्लांट प्रक्रिया को अंजाम दिया। सर्जरी में अत्याधुनिक तकनीक के इम्प्लांट प्रोसेसर का उपयोग किया गया, जो लगभग सामान्य वाक कोडिंग प्रदान करने में सक्षम है, जिससे रोगी को स्पष्ट रूप से बात को समझने का सर्वोत्तम संभव अवसर मिलता है। इस तकनीक का प्रयोग उत्तर प्रदेश में पहली बार किया गया। डिवाइस को आज सफलता पूर्वक सक्रिय कर दिया गया। रोगी ने ध्वनि के प्रति तत्काल सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई, जो उसकी श्रवण शक्ति में वापसी की दिशा में एक विजयी मील का पत्थर है। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ की पारुल और एसजीपीजीआई, लखनऊ की ऑडियोलॉजी टीम, जिसमें आद्या, कीर्ति और मंगल शामिल थे, ने इस प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस प्रक्रिया में विशेष ऑडियोलॉजी विशेषज्ञों, माथुर और शिवांगी का भी सहयोग रहा।

कोलकाता में बढ़ते वायु प्रदूषण पर निगम की पहल, पर्यावरणविदों ने कहा – कदम नाकाफी

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा उठाए गए कदमों को पर्यावरणविदों ने अपर्याप्त करार दिया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा प्रदूषण के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिए जाने के एक दिन बाद मेयर फिरहाद हकीम ने शहर के सभी थानों और ट्रैफिक गार्ड को सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया था। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रयास ह्लबहुत कम और बहुत देर सेह्व किए गए हैं। पर्यावरणविदों का कहना है कि कोलकाता लंबे समय से गंभीर वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है, लेकिन कई आवश्यक उपायों को अब तक सख्ती से लागू नहीं किया गया। बुधवार को मेयर फिरहाद हकीम ने नगर निगम

मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें पर्यावरण विभाग और उद्यान विभाग के प्रभारी मेयर-इन-काउंसिल सदस्य, कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न सरकारी और निजी एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि, निगम सूत्रों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। बैठक में मेयर ने खुले में आग जलाने, वाहनों से निकलने वाले धुएं, सूखी पत्तियों और लकड़ी जलाने जैसी गतिविधियों पर सख्ती से नियंत्रण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण स्थलों को घेरने, धूल अधिक उड़ने वाले इलाकों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने और निर्माण कार्यों से उत्पन्न मलबे को सड़कों पर जमा न होने देने पर भी जोर दिया। मेयर ने विक्टोरिया मेमोरियल के आसपास रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के निर्माण कार्यों के दौरान धूल नियंत्रण के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि मेट्रो निर्माण स्थलों को हरे जाल (ग्रीन नेट) से ढका जाएगा और पर्याप्त पानी का छिड़काव अनिवार्य होगा। पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों, खासकर काला धुआं छोड़ने वाले डीजल वाहनों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। मेयर ने कहा कि सड़कों पर पड़े निर्माण मलबे को तेजी से हटाने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी निर्माण स्थल पर नियमों का पालन नहीं किया गया तो कार्य रोक दिया जाएगा। इसके अलावा, शहर के विभिन्न हिस्सों में, खासकर सड़कों पर, दिन में कम से कम 16 घंटे दो पालियों में स्प्रिंकलर और मिस्ट कैनन के जरिए पानी का छिड़काव किया जाएगा।

बिहार के सरकारी स्कूलों में 31 जनवरी को होगा पीटीएम,बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

एजेंसी

पटना : बिहार के सरकारी स्कूलों में बच्चों के शिक्षा की स्थिति और उनके सर्वांगीण विकास को और अधिक मजबूत बनाने के लिए एक खास तैयारी की गयी है।बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने अभिभावकों को भी पूरी तरह सक्रिय करने की योजना बनायी है, जिसके लिए प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सभी जिलों के शिक्षा पदाधिकारियों को एक पत्र जारी कर सभी प्रारंभिक विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी यानि पीटीएम करने का निर्देश दिया है। जारी पत्र में अधिकारियों को

31 जनवरी को पीटीएम करने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने यह बैठक बच्चों के सर्वांगिण विकास को ध्यान में रखते हुए कुछ खास मुददों को चुना है। विभाग ने पीटीएम का थीम रखा है-हम और आप मिलकर करेंगे बच्चों का समग्र विकास। इस बार की पीटीएम का सबसे अहम मुद्दा बच्चों में बढ़ती मोबाइल और सोशल मीडिया की लत है। आज के समय में बच्चों का अधिक समय मोबाइल और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई, व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को निर्देश दिया है कि वे अभिभावकों को बच्चों द्वारा मोबाइल और सोशल मीडिया के उपयोग को सीमित करने के लिए प्रेरित करें। साथ ही, बच्चों को वास्तविक जीवन की गतिविधियों और खेलकूद से जोड़ने पर जोर देने को कहा गया है, ताकि वे मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलकर स्वस्थ गतिविधियों में शामिल हों।

पीटीएम के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता पर भी विशेष चर्चा की जाएगी। अक्सर देखा जाता है कि बच्चे बिना नाश्ता किए या भूखे स्कूल आ जाते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और सेहत दोनों प्रभावित होती हैं। ऐसे में शिक्षकों को अभिभावकों से यह कड़ा संदेश देने को कहा गया है कि वे अपने बच्चों को पोषण युक्त भोजन कराकर ही विद्यालय भेजें। बच्चों की सेहत और पोषण पर चर्चा करके स्कूल और परिवार के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सकेगा, जिससे बच्चों का शारीरिक विकास भी सही दिशा में होगा। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस पीटीएम का उद्देश्य सिर्फ बच्चों की पढ़ाई पर चर्चा करना नहीं है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। शिक्षकों को अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से अवगत कराते हुए उन्हें बच्चों के व्यक्तित्व, सामाजिक व्यवहार, खेलकूद, कला, संस्कृति और नैतिक शिक्षा से जोड़ने की प्रेरणा देनी है। इसके साथ ही, बच्चों को मोबाइल और सोशल मीडिया की लत से दूर रखकर वास्तविक जीवन की गतिविधियों से जोड़ने के लिए भी अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा

न्यूज IN ब्रीफ

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर दिल्ली जा रही बस में लगी भीषण आग, सभी यात्री सुरक्षित

लखनऊ : उत्तर प्रदेश जनपद के मथुरा के राया स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह बांदा से दिल्ली जा रही बस में आग लग गई। बस में 35-40 यात्री सवार थे। चालक ने बस को रोक दी। अफरातफरी के बीच कुछ यात्री खिड़की दरवाजे तोड़कर बाहर आए। सभी यात्री सुरक्षित हैं। पुलिस और दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। इस हादसे की वजह से एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लग गया। मथुरा जिले के राया के यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह लगभग पांच बजे चलती एक बस में अचानक आग लग गई। स्लीपर बस (वढ 90 अळ 8837) बांदा से दिल्ली जा रही थी। बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। चीख पुकार मचने लगी। हालात देख कर बस के चालक ने बस को सड़क किनारे रोक दिया और अफरातफरी के माहौल में यात्री जैसे तैसे सुरक्षित बाहर निकले। इनमें बच्चे और महिलाएं भी थीं। कई यात्री खिड़की और दरवाजे से कूद कर बाहर निकले। एक बस यात्री ने ही बस में आग लगने की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यमुना एक्सप्रेसवे की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति संभाली।

बस में आग लगने की घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड के दमकल कर्मियों ने डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। थाना प्रभारी रवि भूषण शर्मा ने बताया हादसा गुरुवार सुबह 5.15 बजे यमुना एक्सप्रेस-वे के राया थाना क्षेत्र में हुआ। स्लीपर बस (वढ 90 अळ 8837) बांदा से दिल्ली जा रही थी। इसमें 10 महिलाओं और 10 बच्चों समेत 30 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया शुरूआती जांच में आग लगने का कारण टायर फटना बताया जा रहा है। सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरी बस में बैठाकर भेज दिया गया है।

डनकन ब्रिज प्रकरण में प्रोजेक्ट टीम को मिला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का साथ

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में जगतगंज राजपरिवार के प्रतिनिधि और जगत सिंह रॉयल फैमिली प्रोजेक्ट टीम के संरक्षक प्रदीप नारायण सिंह ने गुरुवार को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निदेशक (अन्वेषण उत्खनन) को जिले में डनकन ब्रिज प्रकरण के संबंध में मेरे द्वारा ईमेल से जानकारी दी गई थी। निदेशक की ओर से मिले ईमेल में उन्होंने डनकन ब्रिज के खजाने को खोजने के संबंध में बात कही गई है। उन्होंने बताया कि इस नेक काम के लिए और डनकन ब्रिज के संबंध में बताए गए प्राचीन खजानों को खोजने के लिए जगत सिंह रॉयल फैमिली प्रोजेक्ट टीम के साथ मिलकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मिलकर काम करेगा। जगतगंज राजपरिवार के प्रतिनिधि प्रदीप नारायण सिंह ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के ईमेल आने से थोड़ा उत्साह बढ़ा है। इस संबंध में आगे की प्रक्रिया शुरू होगी तो और भी प्रसन्नता होगी।

23 और 27 जनवरी को घाटी के मैदानी इलाकों सहित व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी होने की उम्मीद

जम्मू : मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि इस सप्ताह जम्मू और कश्मीर में दो शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है जिनमें से पहला गुरुवार को और दूसरा 26 जनवरी को अपना प्रभाव दिखाएगा। उन्होंने बताया कि इन प्रणालियों के प्रभाव से घाटी के मैदानी इलाकों सहित व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इन मौसम प्रणालियों की मुख्य गतिविधि 23 और 27 जनवरी को होगी। मौसम विभाग ने श्रीनगर सहित मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी की संभावना जताई है जिसके चलते गुरुवार से शुरू होने वाली मौसम प्रणाली कश्मीर के मैदानी इलाकों में लंबे समय से चल रहे सूखे को समाप्त कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से सड़क और हवाई यातायात बाधित हो सकता है। कश्मीर घाटी इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' की चपेट में है जो 40 दिनों की अत्यधिक ठंड की अवधि है जिसके दौरान रात का तापमान अक्सर हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला जाता है और बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक होती है। पिछले साल 21 दिसंबर को शुरू हुआ 'चिल्ला-ए-कलां' 30 जनवरी को समाप्त होगा। कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई है जबकि घाटी के मैदानी इलाकों में इस सर्दी में अब तक बर्फ नहीं गिरी है।

सीमेंट लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर मजदूर की मौत, परिजनों ने शव रखकर लगाया सड़क जाम

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के चुनार थाना क्षेत्र के रामपुर सक्तेशगढ़ में गुरुवार सुबह करीब दस बजे दर्दनाक हादसा हो गया। सीमेंट लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से गिरकर एक मजदूर उसकी चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को राजगढ़-चुनार मार्ग पर रखकर मुआवजे की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया। सक्तेशगढ़ चौकी क्षेत्र के घुनिया पुरवा निवासी 26 वर्षीय करन अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। गुरुवार को वह सक्तेशगढ़ बाजार से सीमेंट लोड कर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर दो अन्य मजदूरों के साथ अपने गांव जा रहा था। रामपुर सक्तेशगढ़ के पास अचानक वह ट्रैक्टर से नीचे गिर पड़ा और ट्रॉली का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक और साथ बैठे अन्य मजदूर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। गुस्साए ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर राजगढ़झ्रचुनार मार्ग जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर चुनार, राजगढ़ और मड़िहान थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारियों ने परिजन को समझा-बुझाकर जाम खुलवाने और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास शुरू कर दिया है। क्षेत्राधिकारी चुनार मंजरी राव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश: तारिक रहमान ने ससुराल से शुरू किया चुनाव प्रचार

ढाका : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान ने आज सुबह सिलहट के दक्षिण सुरमा उपजिला के बिराइनपुर में अपने ससुराल से औपचारिक रूप से अपना चुनावी अभियान शुरू किया। हजरत शाहजलाल और हजरत शाह परान की दरगाहों पर प्रार्थना करने के बाद तारिक रहमान ने भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी के चुनाव निशान धान की बाली पर मुहर लगाने की अपील की। द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 22 साल बाद तारिक कल दोपहर करीब 12:40 बजे अपनी पत्नी डॉ. जुबैदा रहमान के साथ ससुराल पहुंचे। ससुराल में हजारों लोगों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीएनपी की राजनीति का मकसद लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाना है और अगर पार्टी सत्ता में आती है तो वह कम आय वाले परिवारों के लिए फैमिली कार्ड और कृषि क्षेत्र को सपोर्ट देने के लिए किसान कार्ड शुरू करेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की हुई समीक्षा

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को जिले केउप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास, पोषण, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, कौशल विकास, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक मेंउप विकास आयुक्त श्री सचान ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के पात्र लाभुकों तक समय पर पहुँचे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, जमीनी स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य में तेजी लाएँ, गुणवत्ता के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में योजनाओं की प्रगति को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

गंगा विहार पार्क में माली नहीं, सुख रहे पौधे

साहिबगंज : गंगा विहार पार्क की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है पार्क में माली नहीं रहने के कारण एक भी पौधा खिलखिला हुआ नहीं दिखा रहा है। इसलिए आपसे निवेदन पूर्वक कहना चाहता हूं की डीएमएफटी फंड के माध्यम से साहिबगंज गंगा बिहार पार्क का जीर्णोद्धार करने का कृपा करें ।जिससे साहिबगंज नगर के देव तुल्य जनता मालिक को इसका लाभ मिल सके क्योंकि मनोरंजन का मात्र एक साधन हमारे गंगा विहार पार्क ही बचा है। इसलिए इसे सुसज्जित करने के निवेदन करता हूं।

इग्नू में जनवरी 2026 सत्र में नामांकन की तिथि 31 जनवरी तक विस्तारित

दुमका : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के जनवरी 2026 सत्र के लिए नामांकन की तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है । यह जानकारी इग्नू अध्ययन केंद्र 3604, संताल परगना महाविद्यालय, दुमका की समन्वयक प्रो। पूनम बिंझा ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी इग्नू के आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन करा सकते हैं। इग्नू अध्ययन केंद्र 3604 के अंतर्गत बीए, बीएससी, बीकॉम में प्रतिष्ठा एवं सामान्य तथा स्नातकोत्तर (हिन्दी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी), पीजीडीआरडी, डिप्लोमा सहित विभिन्न सर्टिफिकेट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम से संबन्धित जानकारी के लिए अथवा किसी प्रकार की सहायता हेतु एस। पी ।कॉलेज स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र (3604) से संपर्क कर सकते हैं।

समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को जिले केउप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास, पोषण, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, कौशल विकास, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक मेंउप विकास आयुक्त श्री सचान ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के पात्र लाभुकों तक समय पर पहुँचे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, जमीनी स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य में तेजी लाएँ, गुणवत्ता के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में योजनाओं की प्रगति को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

एनआईटी : 1976-80 बैच मनाएगा अपनी स्वर्ण जयंती का गौरवशाली उत्सव

जमशेदपुर : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) जमशेदपुर एक भावुक और यादगार पुनर्मिलन (होमकमिंग) का गवाह बनने जा रहा है। संस्थान का 1976-80 बैच, आगामी 23 से 25 जनवरी, 2026 तक अपनी स्वर्ण जयंती मनाने के लिए एकत्रित हो रहा है ।दुनिया भर से लगभग 60 प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, अपने जीवनसाथी के साथ, अपने कॉलेज के दिनों को फिर से जीने और पिछले पांच दशकों में अपने अल्मा मेटरमें आए बदलावों को देखने के लिए जमशेदपुर पहुंचेंगे ।तीन दिनों के इस उत्सव को अकादमिक यादों और जमशेदपुर की जीवंत सांस्कृतिक विरासत के संगम के रूप में तैयार किया गया है। मुख्य स्मृति समारोह एनआईटी जमशेदपुर परिसर में आयोजित किया जाएगा। यहाँ पूर्व छात्र वर्तमान संकाय (फैकल्टी) और छात्रों के साथ संवाद करेंगे और संस्थान की विरासत व अपनी पेशेवर यात्रा के अनुभवों को साझा करेंगे ।सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव रात्रिभोज शहर के प्रमुख स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। ₹स्टील सिटी₹ से फिर से जुड़ने के लिए, यह बैच शहर के प्रतिष्ठित स्थलों का दौरा करेगा, जिनमें शामिल हैं जुबली पार्क और डिमना लेक,साईं मंदिरट्राइबल कल्चर सेंटर (क्षेत्र की समृद्ध स्वदेशी विरासत का प्रदर्शन) ।आवास और रसद आगंतुक पूर्व छात्रों के ठहरने की व्यवस्था होटल में की गई है।

जमशेदपुर में भव्य टुसू मेला का आयोजन बंगाल और ओडिशा के लोग भी हुए शामिल

बंगाल और ओडिशा से भी बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

संवाददाता

जमशेदपुर : बिष्टुपुर गोपाल मैदान में झारखंड एकता मंच द्वारा एक भव्य टुसू मेले का आयोजन किया गया। जमशेदपुर लोकसभा सांसद विद्युत बरन महतो, इचागढ़ विधायक सबिता महतो, पूर्व सांसद सुमन महतो और कई जिला परिषद सदस्य मंच पर मौजूद रहे।

झारखंड के विभिन्न जिलों के साथ-साथ बंगाल और ओडिशा से भी लोग टुसू मूर्तियों और चौडल के साथ मेले में पहुंचे। 60-70 फीट ऊंचे चौडल मेले का मुख्य आकर्षण बने। आकर्षक टुसू मूर्तियों से मेला परिसर सजा हुआ था। पुरुषों और महिलाओं ने अपनी स्थानीय भाषाओं में नृत्य किया और गाने गाए और ढोल और अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर अपनी संस्कृति का जश्न मनाया। टुसू मेले में चालीस हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ देखी गई।

सुरक्षा के लिए, आयोजकों द्वारा विभिन्न स्थानों पर स्वयंसेवकों को तैनात किया गया था। तीस सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। यह ध्यान देने योग्य है कि इस मेले की नींव 2006 में तत्कालीन जमशेदपुर सांसद सुनील महतो ने रखी थी। आदिवासी एकता मंच एक गैर-राजनीतिक मंच है जिससे सभी राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं।

भव्य टुसू मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में टुसू गीत, झुमर गीत और बूढ़ी गाड़ी नृत्य प्रदर्शन शामिल थे। इस दौरान, टुसू मूर्तियां और ऊंचे चौडल लाने वाले ग्रामीणों की टीमों को आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया।

झारखंड एकता मंच के मुख्य संयोजक आस्तिक महतो ने कहा कि इस मेले की नींव तत्कालीन जमशेदपुर सांसद सुनील महतो ने रखी थी। वह अब हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन इस मेले के माध्यम से उन्होंने झारखंड की कला, संस्कृति और परंपराओं को एक नई पहचान दी। टुसू झारखंड का एक महान त्योहार है, और इस तरह का आयोजन हर साल 21 जनवरी को जमशेदपुर में किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि साल भर काम करने के बाद, जो लोग टुसू मनाते हैं, वे एक-दूसरे से मिलने, अपनी भाषा और संस्कृति को समझने और आनंद लेने के लिए इस मेले में आते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भले ही आज की युवा पीढ़ी राज्य के बाहर पढ़ाई कर रही हो, लेकिन उन्हें समाज की भलाई के लिए अपनी पुरानी परंपराओं और संस्कृति को समझना चाहिए। यह मेला सिर्फ एक मेला नहीं है; यह झारखंडी संस्कृति की विरासत बन गया है।

सर हमें है आप पर गर्व

संवाददाता

झारखंड में तेजतर्रार,कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले डीएसपी की बात चलती है तो कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय का नाम स्वतः जुबां पर चला आता है। श्री सोय के रांची कोतवाली डीएसपी के रूप में योगदान देने के पश्चात से नशा कारोबारियों और उसके संचालकों को फिल्मी स्टाईल में उनके बीच पहुंच कर उनके गिरोह का भांडाफोड कर उन्हें धर दबोचा और जेल की हवा खिलाई वह नशा कारोबारियों के लिए एक सबक ही है। अपराध नियंत्रण अपराधियों की धर पकड़ डीएसपी की विशेषता मानी जाती है। श्री सोय के बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो का ही यह परिणाम है कि राज्य में श्री सोय उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं। इससे पूर्व वे चाईबासा मुख्यालय डीएसपी के साथ साथ रामगढ़ में भी लोकप्रिय डीएसपी के रूप में पहचाने जाते हैं। ऐसे पुलिस अधिकारी से विभाग, जिला और राज्य भी गौरवान्वित होते हैं।

दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ समापन

संवाददाता

देवघर : सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित सड़क सुरक्षा माहझ2026 के अवसर पर दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन बुधवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इनडोर स्टेडियम में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान प्रतियोगिता में कुल तीन वर्गों – अंडर-19 गर्ल्स ओपन, ओपन डबल एवं 35+ डबल – के मुकाबले खेले गए। ओपन डबल वर्ग के फाइनल मुकाबले में अंकेश एवं हर्ष की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कृष्ण कुमार एवं राहुल की जोड़ी को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं 35+ डबल वर्ग में कृष्ण कुमार एवं जलज की जोड़ी ने अंकेश एवं नमन प्रियेश लकड़ा की जोड़ी को हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। अंडर-19 गर्ल्स वर्ग में लाडली ने अंजलि को पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया। समापन समारोह के अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को उपायुक्त श्री लकड़ा एवं जिला परिवहन पदाधिकारी शैलश प्रियदर्शी द्वारा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतियोगिता के सफल संचालन में रेफरी की भूमिका निभाने वाले सोनाली एवं अभिषेक को उपायुक्त श्री लकड़ा के हाथों मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रतियोगिता के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल गतिविधियां न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होती हैं, बल्कि सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जन-जागरूकता बढ़ाने का भी प्रभावी माध्यम हैं।

शख्सियत

समाजसेवा के क्षेत्र में डॉ.प्रिया लखोटिया की कार्यशैली अनुकरणीय

मेट्रो रेज डेस्क

राजधानी रांची के लेक एवेन्यू, कांके रोड निवासी डॉ.प्रिया लखोटिया का मानना है कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। समाज सेवा से सुखद अनुभूति होती है। सामाजिक सशक्तिकरण को बल मिलता है।

डॉ.लखोटिया अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए सामाजिक, धार्मिक - आध्यात्मिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाती हैं।

समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्था जेसीआई रांची उड़ान ने उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

सरल, सहज व मृदुभाषी डॉ.लखोटिया की प्रारंभिक शिक्षा रांची से ही हुई। डीएवी, हेहल से उन्होंने मैट्रिक व प्लस टू किया। तत्पश्चात मारवाड़ी कॉलेज, रांची से स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद रांची विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी कीं। उन्होंने आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी से कॉमर्स विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि व्यावसायिक रही। अपने माता-पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए वे समाजसेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाती रहीं। उनके पिता सुन्दर लाल बाहेती शहर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी हैं। वे महावीर चौक पर हनुमान टेक्सटाइल प्रतिष्ठान का संचालन करते हैं। वहीं, उनकी माता दुर्गा देवी बाहेती एक कुशल गृहिणी व धार्मिक आध्यात्मिक प्रवृत्ति की महिला हैं।

डॉ.लखोटिया के पति दीनदयाल लखोटिया विष्णु टी कंपनी का संचालन करते हैं।

डॉ.प्रिया लखोटिया अपना आदर्श हर उस महिला को मानती हैं, जिन्होंने संघर्ष के बलबूते समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

उनका मानना है कि कोई भी काम आसान नहीं होता, हर सफलता के पीछे निरंतर परिश्रम,लगन और संघर्ष छिपा होता है। परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों को संभालते हुए समाज के लिए कुछ करने का जज्बा और जुनून हो तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। वे कहती हैं कि अपने सपनों को जीवंत रखना आवश्यक है। जीवन में जो भी कार्य करें, उसे साफ नीयत और सच्ची निष्ठा के साथ करें। यही मेरा आदर्श भी है और यही मेरे जीवन का ध्येय है। मैं एक साधारण महिला हूं, लेकिन मेरा सपना है समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना। मेरे लिए समाजसेवा एक धार्मिक और आध्यात्मिक यात्रा है।

मेरी यह यात्रा बचपन से ही शुरू हो गई थी, जब मैंने अपने परिवार के साथ सामाजिक कार्यों में भाग लेना शुरू किया। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया कि सेवा भावना सबसे बड़ा धर्म है और मैंने इसे अपने जीवन का मूल मंत्र बना लिया।

विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ जुड़ कर काम करने लगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य जारी है।

उनके मुताबिक हमारा धर्म हमें दूसरों की सेवा करने और उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करता है। आध्यात्मिकता हमें अपने भीतर की शांति और संतुष्टि प्रदान करती है, जो हमें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करती है। समाजसेवा करने से कई लाभ हुए। नए लोगों से मिलने और उनके साथ जुड़ने का अवसर मिला। मुझे लगता है कि मैं समाज में कुछ सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल हो रही हूं। सभी से आग्रह करती हूं कि वे समाजसेवा में भाग लें और अपने जीवन को सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उपयोग करें।

डॉ.लखोटिया के सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण और पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति उनके जज्बे और जुनून को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर के सामाजिक संस्था जेसीआई रांची उड़ान ने उन्हें अध्यक्ष पद पर आसीन किया है।

झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्रवण कुमार मिश्रा नहीं रहे

संवाददाता

चक्रधरपुर : झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानाध्यापक श्रवन कुमार मिश्रा का कल रात्रि 8:15 रांची में इलाज के दौरान निधन हो गया वे लगभग 87 वर्ष के थे वह कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज रांची में चल रहा था उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक निवास स्थल औरंगाबाद जिला के इयारी गांव ले जाया गया जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा विदित हो कि हो कि श्रवन कुमार मिश्रा हमेशा शिक्षक संघ को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षकों के संगठन को हमेशा मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर जुटे रहे थे और इसी का यह परिणाम था कि शिक्षकगण उन्हें अपने अभिभावक तुल्य मानते थे संगठन के प्रति हमेशा तत्पर रहने वाले श्रवन कुमार मिश्रा के निधन से शिक्षक संघ काफी मर्म हात है उनके निधन पर शिक्षक मंगलेश पाठक ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्रवण कुमार मिश्रा के द्वारा संगठन के लिए किए गए कार्य हमेशा शिक्षकों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा आज भले ही वह हमारे बीच नहीं है किंतु उनके द्वारा शिक्षक हित में किए गए कार्य हमेशा उन्हें याद करता रहेगा आज भले हुए हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्य हमें हमेशा शिक्षकों को ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ मार्गदर्शन भी करता रहेगा।

हजारीबाग में अफीम की खेती के खिलाफ अभियान जारी

हजारीबाग : चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती के खिलाफ हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चौपारण थाना अंतर्गत सिकदा के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान करीब 70 एकड़ क्षेत्र में अफीम की फसल पाई गई। यह क्षेत्र बिहार से सटे फल्गु नदी के किनारे का है।

हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि कार्रवाई के दौरान खेतों से अफीम की खेती में उपयोग किए जा रहे 15 डिलीवरी पाइप बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, अवैध रूप से अफीम की खेती करने वाले व्यक्तियों के नाम और पते का सत्यापन किया जा रहा है। एसपी ने कहा कि दोषियों की पहचान होते ही उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तकनीकी मदद से अफीम खेती की हुई पहचान

हजारीबाग पुलिस ने यह कार्रवाई इंटेलिजेंस और तकनीक के जरिए की है। इन दिनों सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में ड्रोन की मदद से नजर रखी जा रही है। इस दौरान अवैध रूप से अफीम की खेती की तस्वीर ड्रोन में कैद हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लगभग 70 एकड़ खेत में लगे अफीम की फसल को नष्ट किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हाल के दिनों में लगभग 100 एकड़ जमीन में लगी अफीम पुलिस द्वारा नष्ट की गई है। जो इस ओर इशारा करता है कि हजारीबाग का सुदूरवर्ती ग्रामीण और जंगली क्षेत्र अफीम की खेती के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

साइबर क्राइम के खिलाफ बड़ी सफलता, छह आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

दुमका : जिला पुलिस ने साइबर अपराध और पुलिस के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। जबकि एक अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस ने सभी के पास से एक कार और पांच मोबाइल भी बरामद किया है।

क्या है पूरा मामला

दुमका जिले के सरैयाहाट थाना की पुलिस ने साइबर अपराध के मामले में छह युवकों को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले में थाना प्रभारी राजेंद्र यादव ने बताया कि चोराजोर गांव के नाविर दास ने पुलिस को सूचित किया कि उसके बेटे निरंजन दास को एक कार से ककनी गांव का रोशन शर्मा और हीरो रजक जबरदस्ती लेकर चला गया है।

सूचना के बाद जब पुलिस खोजबीन के दौरान पास के कोठिया गांव पहुंची तो देखा कि कार रौशन शर्मा के घर के सामने खड़ी है। गाड़ी के अंदर बैठे रौशन और हीरो नामक दो युवक को वाहन समेत पूछताछ के लिए थाना लाया गया। दोनों ने बताया कि घघरी गांव का साइबर अपराधी करण कुमार अलग-अलग खाते पर कमीशन देकर पैसा मंगवाता है। पुलिस को इस पूछताछ में कई युवकों के बारे में यह जानकारी हुई कि वे भी इस धंधे में शामिल हैं।

पुलिस के साथ धक्का-मुक्की

इधर, पुलिस जब घघरी गांव के करण को पूछताछ के लिए थाना ले जाने लगी तो उसकी मां सविता देवी और बड़े पापा चंद्रशेखर मंडल ने करण को ले जाने से रोका। पुलिस के साथ धक्का मुक्की कर सरकारी कार्य में बाधा डाली। हालांकि थोड़ी देर बाद कोठिया से निरंजन को गिरफ्तार कर लिया गया।

इन लोगों की हुई गिरफ्तारी

थाना प्रभारी राजेन्द्र यादव ने बताया कि पुलिस ने साइबर ठगी, लेनदेन और मिलीभगत के आरोप में रौशन शर्मा, हीरो रजक, टुवन दास, करण कुमार, निरंजन दास, चन्द्रशेखर मंडल को गिरफ्तार किया है। इस मामले से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।